Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 191
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार,09 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

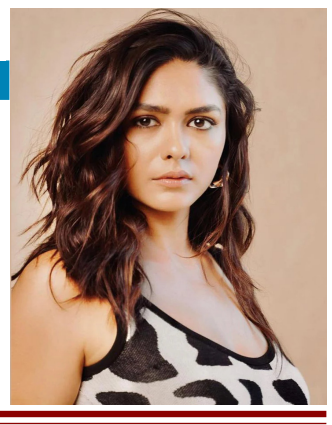

2 स्टील शहरों का संगमः अश्विनी वैष्णव ने

4 हड्डियों से लेकर दिमाग तक पर असर डालता है

7 सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर

पीएम मोदी ने मलेशिया में दिया पाकिस्तान को कड़ा संदेश

आतंकवाद पर डबल स्टैंडर्ड नहीं चलेगा

- सुरक्षा से लेकर तकनीक तक कई क्षेत्रों में नई साझेदारी
- एशिया में स्थिरता और समृद्धि की नई दिशा

कुआलालंपुरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट संकेत दिया कि इस मुद्दे पर कोई दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और मलेशिया मिलकर आतंकवाद से लड़ाई में मजबूती से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होंगे। हम खुफिया जानकारी साझा करने, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और रक्षा सहयोग को और गहरा करने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देशों को एकजुट होकर काम करना होगा।

आतंकवाद पर साफ संदेश

पीएम मोदी के इस बयान को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों के लिए एक सीधा संकेत है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पाकिस्तान को लेकर भारत का सख्त रुख दशार्ता है, जहां आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने की पुरानी आदत रही है।

सुरक्षा से लेकर तकनीक तक कई क्षेत्रों में नई साझेदारी

- रक्षा और सुरक्षा : आतंकवाद विरोधी सहयोग, खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान, समुद्री सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को बढ़ावा

तकनीक और नवाचार : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डिजिटल तकनीक और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में संयुक्त प्रयास

स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा : इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना

आर्थिक संबंध : सीईओ फोरम के जरिए व्यापार और निवेश के नए रास्ते खुले, दोनों देशों की कंपनियों को निवेश और कारोबार के बड़े अवसर

प्रधानमंत्री मोदी ने भरोसे पर विशेष जोर देते हुए कहा, ₹रणनीतिक विश्वास के आधार पर हम आर्थिक परिवर्तन की नई राह बनाएंगे। यह साझेदारी सिर्फ सरकारों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका फायदा आम नागरिकों तक पहुंचेगा।

एशिया में स्थिरता और समृद्धि की नई दिशा

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ना चाहता है। मलेशिया के साथ बढ़ती साझेदारी इसी सोच का हिस्सा है। आने वाले समय में दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे, जिससे पूरे एशिया क्षेत्र में स्थिरता और विकास को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा ने न सिर्फ भारत-मलेशिया संबंधों को नया आयाम दिया है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के सशक्त और स्पष्ट रुख को भी दुनिया के सामने रख दिया है।

प्रधानमंत्री ने की किसानों व श्रमिकों के हितों की रक्षा

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बोले नितिन नबीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख नितिन नबीन ने रविवार को कहा कि किसानों और श्रमिकों के हित सुरक्षित रखने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने "कूटनीतिक एवं धैर्यपूर्वक" अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया। नबीन ने यह बात रामलीला मैदान में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके कैबिनेट मंत्रियों के साथ 500 ई-बसों को हरी झंडी दिखाने के दौरान कही। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने "कूटनीतिक और धैर्यपूर्वक" अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया। नबीन ने कहा, "मैं इस समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देता हूं। उन्होंने किसानों, श्रमिकों के हितों की रक्षा की है और देश का आत्म-सम्मान बढ़ाया है।" उन्होंने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि 500 ई-बसें दिल्ली के लोगों के लिए एक उपहार है, जिन्होंने पिछले साल आठ फरवरी को विधानसभा चुनावों में भाजपा को भारी जीत दिलाई थी। दिल्ली विधानसभा चुनावों के आठ फरवरी, 2025 को घोषित परिणामों में भाजपा ने 70 विधानसभा सीटों में से 48 सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल कर दिया। नबीन ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के कार्यान्वयन जैसी विभिन्न पहल की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार ने पिछले एक साल में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता, जवाबदेह निर्णय लेने और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने के साथ काम किया है। नवीन ने कहा कि दिल्ली में पिछली सरकार "बहाने" बनाती थी, जबकि भाजपा नीत सरकार अब प्रदर्शन और लोगों के लिए काम करने में विश्वास करती है।

सार संक्षेप

गैंगस्टर रवि काना के नेपाल में होने की आशंकाए पुलिस और एजेंसियां सतर्कए तलाश तेज

बांदाए। स्क्रैप माफिया और गैंगस्टर रवि काना की जेल से रिहाई के बाद अब पुलिस और जांच एजेंसियों को आशंका है कि वह देश से बाहर जा चुका है। सूत्रों के अनुसारए उसके नेपाल में होने की संभावना जताई जा रही है। इस मामले के सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और उसकी तलाश तेज कर दी गई है। जेल से रिहा होने के बाद से रवि काना सार्वजनिक रूप से कहीं भी दिखाई नहीं दिया है। वह न तो अपने ज्ञात ठिकानों पर मिला है और न ही स्थानीय पुलिस को उसकी मौजूदगी की कोई ठोस जानकारी मिल पाई है। आशंका है कि वह गिरफ्तारी या आगे की कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए देश छोड़ चुका है। पुलिस और एसओजी की टीमें रवि काना के पासपोर्टए यात्रा दस्तावेजों और मोबाइल लोकेशन से संबंधित जानकारी जुटा रही हैं। जांच में यह भी पड़ताल की जा रही है कि जेल से रिहाई के तुरंत बाद उसने किन.किन लोगों से संपर्क किया और उसकी आर्थिक गतिविधियां कहां.कहां जुड़ी हैं।

अफगानिस्तान: काबुल में घर के अंदर विस्फोट, कम से कम 8 लोगों की मौत

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक आवासीय घर के अंदर गैस सिलेंडर विस्फोट में कम से कम आठ लोग मारे गए। काबुल के गवर्नर कार्यालय ने शनिवार शाम जारी बयान में बताया कि घटना पुलिस डिस्ट्रिक्ट 21 में हुई, जहां एक परिवार अपने घर को ठंड से बचाने के लिए गैस हीटर का उपयोग कर रहा था। गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फट गया और इससे घर में मौजूद लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अफगानिस्तान में व्यापक आधुनिक हीटिंग प्रणाली न होने के कारण अधिकांश घर सर्दियों में अपने घर गर्म रखने के लिए गैस सिलेंडर या पारंपरिक चूल्हे पर निर्भर रहते हैं। ऐसे हादसे अक्सर गैस रिसाव और विस्फोट के कारण होते हैं और गरीब देश में यह एक आम खतरा बन गया है। इससे पहले 5 फरवरी को पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में एक घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से तीन महिलाएं मारी गई थीं और एक अन्य घायल हुई थी। उस घटना में भी परिवार गैस हीटर का उपयोग कर रहा था और गैस रिसाव के कारण विस्फोट हुआ था। घायल पुरुष सदस्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ सप्ताह पहले, पूर्वी नंगरहार प्रांत के स्पिन घर जिले में गैस सिलेंडर विस्फोट में दो महिलाएं मारी गईं और दो बच्चे घायल हुए थे।

पीयूष गोयल बोले

अगले 5 वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने में कोई समस्या नहीं

नयी दिल्ली वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत को अगले 5 वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुएं खरीदने में कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने इसे एक बहुत ही मामूली आंकड़ा बताया, क्योंकि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था लगभग 2 लाख करोड़ डॉलर की मांग पैदा करेगी। भारत अमेरिका से लगभग 300 अरब डॉलर के उन सामानों का आयात कर सकता है, जो वह दूसरे देशों से खरीद रहा है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि हम आज भी 300 अरब डॉलर के उन सामानों का आयात कर रहे हैं, जिन्हें अमेरिका से मंगाया जा सकता है। हम पूरी दुनिया से आयात कर रहे हैं। अगले 5 वर्षों में यह बढ़कर दो लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने वाला है... मैंने अपने समकक्षों से कहा कि देखिए, मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि भारत में मांग है, लेकिन आपको प्रतिस्पर्धी होना होगा। भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की थी कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे को अंतिम रूप दे दिया है। दोनों पक्षों द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान और उनके घटक, कीमती धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोल खरीदने की इच्छा जताई है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणा की है। इसलिए, मेरा मानना है कि हम देश में 10 गीगावाट के डेटा सेंटर देखेंगे और इसके लिए भारत को उपकरणों की आवश्यकता होगी, जिसकी आपूर्ति अमेरिका कर सकता है। यह पूछने पर कि क्या अमेरिका से 500 अरब डॉलर की खरीद योजना में बोइंग विमानों के वे ऑर्डर भी शामिल हैं जो भारत पहले ही दे चुका है, उन्होंने कहा कि हम जिस बारे में बात कर रहे हैं वह निरंतरता में है और इसमें वह सब शामिल है जो हम पहले से खरीद रहे हैं। आज भी भारत अमेरिका से 45-50 अरब डॉलर के बीच आयात कर रहा है, और ये वे उत्पाद हैं जिनका उत्पादन भारत नहीं करता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें विमानों की आवश्यकता होगी। हमें विमानों के लिए इंजन चाहिए होंगे। हमें कलपुर्जों की आवश्यकता होगी। हमने बोइंग को ही विमानों के लिए पहले से 50 अरब डॉलर के ऑर्डर दिए हुए हैं। हमारे पास इंजनों के लिए ऑर्डर हैं। अगले 5 वर्षों के लिए लगभग 80-90 अरब डॉलर के ऑर्डर पहले ही दिए जा चुके हैं। हमें वास्तव में इससे भी अधिक की आवश्यकता होगी। मैंने पिछले दिनों पढ़ा कि टाटा कुछ और ऑर्डर देने की योजना बना रहा है। मेरा मानना है कि तेल, एलएनजी, एलपीजी और कच्चे तेल के अलावा केवल विमानन क्षेत्र के लिए ही हमें कम से कम 100 अरब डॉलर से अधिक की आवश्यकता है। देश को इस्पात उद्योगों के लिए कोकिंग कोल की आवश्यकता है। जब हम 300 अरब तक पहुंचेंगे, जो एक घोषित लक्ष्य है और इस्पात उद्योग में विस्तार बहुत तेज गति से हो रहा है। हमें अकेले कोकिंग कोल के लिए प्रति वर्ष 30 अरब डॉलर की आवश्यकता होगी। जिन उत्पादों का मैं उल्लेख कर रहा हूं, वे कांग्रेस के समय से जब संप्रग सत्ता में थी, तब से आयात किए जा रहे हैं।

शताब्दी समारोह में बोले संघ प्रमुख,

सभी को विश्वास में लेकर हो यूसीसी का निर्माण

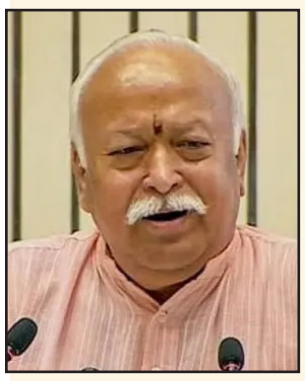

मुंबई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को बनाते समय सभी को विश्वास में लिया जाना चाहिए और इससे मतभेद नहीं पैदा होने चाहिए। भागवत ने आरएसएस के शताब्दी समारोह के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। हाल में हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भागवत ने कहा कि समझौतों में लेन-देन होता है। उन्होंने कहा, यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होना चाहिए... हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमें नुकसान न हो। हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर को भारत रत्न सम्मान दिए जाने की मांग पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सावरकर को यह पुरस्कार दिए जाने से इसकी प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी। भागवत ने यह भी कहा कि आरएसएस के लिए अच्छे दिन स्वयंसेवकों की कड़ी मेहनत और वैचारिक नीतियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण आये हैं।

भाजपा ने विपक्ष को मिल रहे मराठी समर्थन के कारण रितु तावड़े को मुंबई का महापौर चुना: संजय राउत

मुंबई। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव में उनकी पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को मिले मराठी लोगों के भारी समर्थन के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुंबई के महापौर के रूप में एक मराठी व्यक्ति को चुनना पड़ा। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी कटाक्ष किया। शनिवार को आरएसएस शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेता सलमान खान को संघ प्रमुख मोहन भगवत से बातचीत करते देखा गया था। राज्यसभा सदस्य ने पूछा,

क्या यह फिल्म अभिनेता सलमान खान का स्वागत था या (यह संदेश था कि) संघ व उसकी शाखाओं में मुसलमानों का भी स्वागत है? उन्होंने आरोप लगाया कि भागवत को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए क्योंकि जिस तरह से हिंदू-मुस्लिम नफरत और बदले की भावना से प्रेरित दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है, उसमें संघ भी शामिल है। राउत ने मुंबई के महापौर पद के लिए भाजपा द्वारा रितु तावडे (53) को उम्मीदवार बनाए जाने पर कहा कि वह मूल रूप से कांग्रेस से हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास अपना कोई उम्मीदवार नहीं है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, जिस तरह से मराठी लोगों ने भारी बहुमत से शिवसेना (उबाठा) और मनसे को वोट दिया, भाजपा को मुंबई में एक मराठी महापौर बनाना ही पड़ा। रितु तावडे, मुंबई की महापौर बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और शिवसेना (उबाठा) द्वारा किसी प्रतिद्वंद्वी को मैदान में नहीं।

बीजेपी मंत्री बोले, राहुल गांधी पप्पू थे, पप्पू हैं और पप्पू ही रहेंगे, कांग्रेस जहां कहीं रह भी गई है ,वहां भी नहीं रहेगी

श्योपुर। एमपी के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे में कहा है कि वो पप्पू थे, पप्पू हैं और पप्पू रहेंगे। ये बयान काफी चर्चा में आ गया है। श्योपुर में एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बीजेपी कार्यालय पर केंद्रीय बजट को प्रेस कांफ्रेंस की। इस मौके पर राकेश शुक्ला ने राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहने वाले बयान पर पलटवार किया । उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा और कहां कि वह पप्पू है और पप्पू थे और पप्पू ही रहेंगे। जिन प्रदेशों में

कांग्रेस रह भी गई है वहां भी खत्म कर देंगे। प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला का यह बयान अब सुर्खियों में है। आपको बता दें कि बीते बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी बहस हो गई थी। राहुल गांधी ने इस दौरान रवनीत सिंह बिट्टू पर तीखा हमला करते हुए उन्हें गद्दार कह दिया। हालांकि यह वीडियो आने के बाद बीजेपी ने भी इस पर तुरंत पलटवार भी कर दिया था। शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा और उन्होंने भी उनके बयान पर पटलवार करते हुए कहा है उनके नेताओं से जो उम्मीद की जा सकती है.राहुल गांधी पप्पू थे.पप्पू है. और वह हमेशा पप्पू रहेंगे. उन्होंने कहा कि ऐसा मेरा मानना है उनकी बात को गंभीरता से लेना उसके यह परिणाम है जहां प्रदेशों में कांग्रेस रह गई है आने वाले परिणामों में भी नहीं रहेगी।

बीजेपी नेता ने महिला को लाठी-लात-घूंसों से पीटा, बाल पकड़कर जमीन पर पटका, टपकमव आया सामने

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी जिले से महिला के साथ बर्बरता का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने कानून-व्यवस्था और राजनीतिक आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिहावल विधानसभा के बहरी गांव में एक बीजेपी नेता द्वारा महिला की सरे आम पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में भाजपा नेता संतोष पाठक महिला को बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहा है।

आरोपी नेता कभी महिला पर लाठी बरसाता दिखता है, तो कभी बाल पकड़कर उसे जमीन पर पटक देता है। इसके बाद भी वह महिला को लात-घूंसे मारता रहा। महिला खुद को छुड़ाने की लगातार कोशिश करती रही, लेकिन आरोपी का हमला नहीं रुका। घटना के दौरान आसपास कई लोग मौजूद थे, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि किसी ने भी महिला को बचाने की कोशिश नहीं की।

पूरी वारदात का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना सीधी जिले की सिहावल विधानसभा के बहरी क्षेत्र की है। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेता की इस बर्बरता को लेकर राजनीतिक हलकों में भी हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस की कार्रवाई और प्रशासनिक प्रतिक्रिया को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

निर्वाचन आयोग भाजपा का सहयोगी दल बन गया

अखिलेश ने एसआईआर में बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का लगाया आरोप

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सरकार द्वारा नियुक्त पेशेवर एजेंसियां उन चुनिंदा बूथों को निशाना बना रही हैं, जहां उनकी पार्टी ने चुनाव जीता है। अखिलेश यादव ने कहा, सरकार ने कुछ एजेंसियों को नियुक्त किया है जिनमें दिल्ली, लखनऊ और देशभर के अन्य स्थानों से काम कर रहे पेशेवर लोग शामिल हैं। उनके पास पूरी मतदाता सूची का डेटा उपलब्ध है और इसके माध्यम से वे उन बूथों की पहचान कर रहे हैं जहां समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की है। फॉर्म-सात का उपयोग किसी के नाम को मतदाता सूची में शामिल करने या सूची से हटाने के लिए किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया ने पहले ही चुनाव परिणामों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, एसआईआर के जरिए ही वे बिहार चुनाव जीतने में सफल हुए हैं। इसमें एसआईआर की अहम भूमिका रही है। यादव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, भाजपा पश्चिम बंगाल में भी यही करने की कोशिश कर रही है। इसलिए वहां की सरकार और मुख्यमंत्री बार-बार कह रही हैं कि निर्वाचन आयोग भाजपा का आयोग बन गया है। उच्चतम न्यायालय में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खुद पैरवी करने का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, उन्हें भाजपा के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में पेश होने के लिए काला कोट पहनने को मजबूर किया गया। इससे पता चलता है कि किस तरह का भेदभाव हो रहा है और निर्वाचन आयोग भाजपा का सहयोगी दल बन गया है। सपा प्रमुख ने कहा कि कई पार्टी कार्यकताओं और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के प्रहरियों ने संदिग्ध प्रपत्रों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा, समय-समय पर हमारे संगठन, पीडीए के प्रहरियों और जिम्मेदार नेताओं एवं कार्यकताओं ने हमें पहले से भरे हुए प्रपत्र सौंपे हैं। यादव ने कुछ विशिष्ट मामलों का जिक्र भी किया गया। उन्होंने कहा, दशरथ और नंदलाल से जुड़ा मामला अब सामने आया है। नंदलाल आज हमारे साथ हैं। मुझे खुशी है कि बहादुर नंदलाल हमारे साथ खड़े हैं। फर्जी हस्ताक्षरों का आरोप लगाते हुए यादव ने कहा, यह वही नंदलाल हैं जिनके हस्ताक्षर कथित तौर पर भाजपा द्वारा लिए गए थे। नंदलाल अंगूठे का निशान इस्तेमाल करते हैं।

स्टील शहरों का संगमः अश्विनी वैष्णव ने आसनसोल बोकारो एम.ई.एम.यू. जीवनरेखा को दिखाई हरी झंडी

गोरखपुर,: पूर्वी भारत के औद्योगिक परिदृश्य में आज एक ऐतिहासिक बदलाव दर्ज हुआ, जब बहुप्रतीक्षित आसनसोलझबोकारो स्टील सिटी एम.ई.एम.यू. सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया। डिजिटल माध्यम और जनउत्साह से भरे इस समारोह में माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। समर्पित एम.ई.एम.यू. सेवा की शुरूआत के साथ ही हजारों श्रमिकों, छात्रों और छोटे व्यापारियों की वर्षों पुरानी यात्रा कठिनाइयों का अंत हो गया है, जो अब तक महंगी बसों और विलंबित एक्सप्रेस ट्रेनों पर निर्भर थे। औद्योगिक क्षेत्र के लिए गेम-चेंजर नई सेवा पश्चिम बर्द्धमान, पुरुलिया और बोकारो के बीच एक तेज, किफायती ह्लस्टील कॉरिडोरह्व तैयार करती है। इस सेवा के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैंः ड्ट कार्यबल को सशक्त बनाएगीः दोनों शहरों के सेल प्रतिष्ठानों के तकनीकी कर्मचारी और श्रमिक अब प्रतिदिन सीधे और विश्वसनीय रेल संपर्क से जुड़ेंगे, जिससे औद्योगिक समन्वय मजबूत होगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावाः लंबी दूरी की ट्रेनों के विपरीत, एम.ई.एम.यू. छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर भी ठहराव देती है, जिससे पुरुलिया और आसपास के ग्रामीण

क्षेत्रों को दोनों स्टील शहरों के बड़े बाजारों तक सस्ती पहुंच मिलेगी। शिक्षा की नई राहः सैकड़ों छात्र अब राज्य सीमा पार स्थित कोचिंग सेंटरों और कॉलेजों तक प्रतिदिन आवागमन कर सकेंगे, जिससे हॉस्टल या किराए के महंगे खर्च से राहत मिलेगी। किफायती यात्राः कम लागत वाले मासिक सीजन टिकट से दैनिक मजदूरों के लिए लंबी दूरी की यात्रा आसान और सुलभ हो गई है। यात्रा मानकों में बड़ा बदलाव नई एम.ई.एम.यू. सेवा क्षेत्रीय परिवहन प्रणाली में व्यापक सुधार का प्रतीक है। पहले जहां यात्रियों को बस बदलने और ईंधन खर्च के कारण अधिक लागत उठानी पड़ती थी, वहीं अब सब्सिडी वाले मासिक टिकट यात्रा को बेहद किफायती बनाते हैं। विश्वसनीयता के मामले में भी यह सेवा सड़क जाम और मानसून के दौरान आने वाली बाधाओं से मुक्त होकर हर मौसम में तेज और समयबद्ध रेल संपर्क सुनिश्चित करती है। साथ ही, जहां पहले एक्सप्रेस ट्रेनें छोटे गांवों को नजरअंदाज करती थीं, अब यह सेवा स्थानीय स्टेशनों पर ठहराव देकर ग्रामीण पुरुलिया को बेहतर और सुरक्षित संपर्क प्रदान करती है। स्थानीय जीवन पर सकारात्मक प्रभाव इस सेवा से छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की संभावना है, क्योंकि नियमित यात्रियों की संख्या बढ़ने से नए व्यवसाय और सेवाएं विकसित होंगी। मानसून के दौरान भी ट्रेन की विश्वसनीयता क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सड़क अवरोधों से प्रभावित होने से बचाएगी और लोगों को सुरक्षित, सुगम तथा नियमित यात्रा सुविधा प्रदान करेगी।

जनरेटर सह लगेजयान के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 07075/07076 हैदराबाद-गोरखपुर-हैदराबाद विशेष गाड़ी के संचलन अवधि में विस्तार किया गया है।

अवधि विस्तार-

-07075 हैदराबाद-गोरखपुर विशेष गाड़ी 20 एवं 27 फरवरी, 2026 को निर्धारित मार्ग से चलाई जायेगी तथा मंदमारि स्टेशन के नॉन इंटरलॉक कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण हैदराबाद से 13 फरवरी, 2026 को चलने वाली हैदराबाद-गोरखपुर विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग सिकंदराबाद-मुदखेड़-पूर्णा-अकोला-इटारसी के रास्ते चलाई जायेगी।

-07076 गोरखपुर-हैदराबाद विशेष गाड़ी 15, 22 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को निर्धारित मार्ग से चलाई जायेगी तथा मंदमारि स्टेशन के नॉन इंटरलॉक कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण हैदराबाद से 08 फरवरी, 2026 को चलने वाली हैदराबाद-गोरखपुर विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग इटारसी-अकोला-पूर्णा-मुदखेड़-सिकंदराबाद के रास्ते चलाई जायेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, शयनयान श्रेणी के 06, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 02, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा जनरेटर सह लगेजयान के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

2026 को तथा छपरा से 03 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 08863/08864 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी का संचलन गोंदिया से 01 मार्च, 2026 को तथा छपरा से 03 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा। 08863 गोंदिया-छपरा होली विशेष गाड़ी 01 मार्च, 2026 को गोंदिया से 17.00 बजे प्रस्थान कर डोंगरगढ़ से 18.02 बजे, राजनांदगांव से 18.28 बजे, दुर्ग से 19.25 बजे, रायपुर से 20.10 बजे, भाटापारा से 20.57 बजे, उस्लापुर से 22.25 बजे, पेन्ड्रा रोड से 23.43 बजे, दूसरे दिन अनूपपुर से 00.22 बजे, शहडोल से 00.57 बजे, उमरिया से 02.10 बजे, कटनी से 04.45 बजे, सतना से 06.10 बजे, मानिकपुर से 09.02 बजे, प्रयागराज छिवकी 10.55 बजे, चुनार से 12.02 बजे, वाराणसी जं. से 17.15 बजे, जौनपुर से 19.00 बजे, केराकत से 19.42 बजे, औंड़िहार से 20.10 बजे, गाजीपुर सिटी से 21.00 बजे, बलिया से 22.10 बजे, रेवती से 22.52 बजे, बकुल्हा से 23.34 बजे छूटकर तीसरे दिन छपरा 00.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 08864 छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी 03 मार्च, 2026 को छपरा से 04.45 बजे प्रस्थान कर बकुल्हा से 05.20 बजे, रेवती से 05.54 बजे, बलिया से 06.40 बजे, गाजीपुर सिटी से 07.50 बजे, औंड़िहार से 08.45 बजे, केराकत से 09.40 बजे, जौनपुर से 10.35 बजे, वाराणसी जं. से 13.00 बजे, चुनार से 16.02 बजे, प्रयागराज छिवकी से 18.35 बजे, मानिकपुर से 20.32 बजे, सतना से 21.20 बजे, कटनी से 23.00 बजे, दूसरे दिन उमरिया से 00.45 बजे, शहडोल से 01.54 बजे, अनूपपुर से 02.38 बजे, पेन्ड्रा रोड से 03.20 बजे, उस्लापुर से 05.25 बजे, भाटापारा से 06.10 बजे, रायपुर से 07.20 बजे, दुर्ग से 08.15 बजे, राजनांदगांव से 08.40 बजे तथा डोंगरगढ़ से 09.06 बजे छूटकर गोंदिया 11.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10, शयनयान श्रेणी के 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 08865/08866 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी का संचलन गोंदिया से 02 मार्च, 2026 को तथा छपरा से 04 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा। 08865 गोंदिया-छपरा होली विशेष गाड़ी 02 मार्च, 2026 को गोंदिया से 17.00 बजे प्रस्थान कर डोंगरगढ़ से 18.02 बजे, राजनांदगांव से 18.28 बजे, दुर्ग से 19.25 बजे, रायपुर से 20.10 बजे, भाटापारा से 20.57 बजे, उस्लापुर से 22.25 बजे, पेन्ड्रा रोड से 23.43 बजे, दूसरे दिन अनूपपुर से 00.22 बजे, शहडोल से 00.57 बजे, उमरिया से 02.10 बजे, कटनी से 04.45 बजे, सतना से 06.10 बजे, मानिकपुर से 09.02 बजे, प्रयागराज छिवकी 10.55 बजे, चुनार से 12.02 बजे, वाराणसी जं. से 17.15 बजे, जौनपुर से 19.00 बजे, केराकत से 19.42 बजे, औंड़िहार से 20.10 बजे, गाजीपुर सिटी से 21.00 बजे, बलिया से 22.10 बजे, रेवती से 22.52 बजे, बकुल्हा से 23.34 बजे छूटकर तीसरे दिन छपरा 00.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 08866 छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी 04 मार्च, 2026 को छपरा से 04.45 बजे प्रस्थान कर बकुल्हा से 05.20 बजे, रेवती से 05.54 बजे, बलिया से 06.40 बजे, गाजीपुर सिटी से 07.50 बजे, औंड़िहार से 08.45 बजे, केराकत से 09.40 बजे, जौनपुर से 10.35 बजे, वाराणसी जं. से 13.00 बजे, चुनार से 16.02 बजे, प्रयागराज छिवकी से 18.35 बजे, मानिकपुर से 20.32 बजे, सतना से 21.20 बजे, कटनी से 23.00 बजे, दूसरे दिन उमरिया से 00.45 बजे, शहडोल से 01.54 बजे, अनूपपुर से 02.38 बजे, पेन्ड्रा रोड से 03.20 बजे, उस्लापुर से 05.25 बजे, भाटापारा से 06.10 बजे, रायपुर से 07.20 बजे, दुर्ग से 08.15 बजे, राजनांदगांव से 08.40 बजे तथा डोंगरगढ़ से 09.06 बजे छूटकर गोंदिया 11.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

राजाराम को थी आशंका एनआरआई सिटी के निदेशक करा सकते हैं हत्या

कानपुर। अधिवक्ता राजाराम वर्मा ने अपनी मौत से दो साल पहले ही जमीन विवाद में हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस अब एनआरआई सिटी निदेशक और अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच कर रही है, जबकि जमीनों पर अवैध कब्जे की जांच एसआईटी को सौंपी गई है। कानपुर में अधिवक्ता राजाराम वर्मा ने मौत के दो साल पहले ही अपनी हत्या की आशंका जता दी थी, उन्हें जमीन के विवाद में हत्या किए जाने का डर था। उन्हें लगता था कि जमीन के विवाद में एनआरआई सिटी के निदेशक और अन्य लोग उनकी हत्या करा सकते हैं। ऐसे में उन्होंने वर्ष 2019 में ही एंटी भूमाफिया सेल, डीएम कार्यालय, नवाबगंज थाने को भेजी ई-मेल में इसकी आशंका जता दी थी। पुलिस अब इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर रही है। साथ ही जमीन कब्जे के मामले की जांच एसआईटी करेगी। अधिवक्ता राजाराम ने वर्ष 2010 में जमीन के विवाद में 18 लोगों के खिलाफ कूटरचना, धोखाधड़ी, दस्तावेजों में जालसाजी आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की अग्रिम विवेचना कर रहे कोतवाली प्रभारी जगदीश पांडेय ने बताया कि इसमें से केवल राजबहादुर, रामकुमार और रामचंदर के खिलाफ पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था। मजदूर डर कर भाग गए थे और काम बंद हो गया था बाकी को साक्ष्य के अभाव में क्लीनचिट दे दी थी। इसके बाद राजाराम ने एक बार फिर आरोपियों के खिलाफ थाने से लेकर डीएम कार्यालय तक शिकायत की। इस बार उन्होंने लिखा था कि वह एनआरआई सिटी के अंदर अपनी कृषि योग्य भूमि पर मजदूरों से काम करा रहे थे। आरोप है कि तभी निदेशक, राम खिलावन और राजबहादुर ने मजदूरों को धमकाते हुए उनकी हत्या करवा देने की बात कही थी। इसके बाद मजदूर डर कर भाग गए थे और काम बंद हो गया था। आसाराम बापू के आश्रम से लेकर गेस्टहाउस तक कब्जा कोतवाली इंस्पेक्टर के अनुसार कई विवादित जमीनों पर कब्जे की शिकायत आई है। यह शिकायत राजाराम के बेटे नरेंद्र देव ने की है। इनमें मैनावती मार्ग स्थित आशाराम बापू का आश्रम भी शामिल है। आरोप है कि आशाराम बापू के जेल जाने के बाद आरोपियों ने उनके आश्रम पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा कनक सोसाइटी, आम्रपाली सोसाइटी भी शामिल हैं। केटीएल व नेक्सा यार्ड शोरूम पर कब्जे की शिकायत इनकी जांच की जा रही है। इनके अलावा रेल बाजार थाना क्षेत्र स्थित रॉयल गार्डन गेस्ट हाउस के अलावा एनआरआई सिटी के पास स्थित नारायण हैरिटेज गेस्ट हाउस और सिंहपुर स्थित केटीएल व नेक्सा यार्ड शोरूम पर कब्जे की शिकायत है। मैनावती मार्ग पर एक और जमीन है। इस पर कई बड़े लोगों द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत पीड़ित पक्ष ने की है। राकेश ने बेड रेस्ट की बात कह मांगा 15 दिन का समय बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राकेश तिवारी को पुलिस ने नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, उन्होंने अपने वकील के माध्यम से नोटिस का जवाब देते हुए 15 दिन का समय मांगा है। विवेचक के अनुसार राकेश तिवारी का स्वस्थ खराब है। डॉक्टरों ने उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी है। इसके चलते उन्होंने 15 दिन तक पूछताछ के लिए आने थाने आने में असमर्थता जताई है।

पहली बार भजन, बीट्स और आत्मिक अनुभूति 28 फरवरी को की विशेष प्रस्तुति

कानपुर। 28 फरवरी 2026 को कानपुर में शिवोहम का आयोजन कर रहा है, जहां भजन क्लबिंग और एआई तकनीक के जरिए 12 ज्योतिलिंगों के दर्शन के साथ भक्तों को एक अलौकिक आध्यात्मिक अनुभव मिलेगा। देशभर में भक्ति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। खासतौर पर युवा वर्ग अब भक्ति को नए अंदाज में जी रहा है। मेट्रो शहरों में तेजी से लोकप्रिय हो रही भजन क्लबिंग जहां पारंपरिक भक्ति आधुनिक संगीत, बीट्स, लाइट्स और टेक्नोलॉजी के साथ एक नई ऊर्जा में ढल जाती है, अब कानपुर पहुंचने जा रही है। इस उभरते ट्रेंड को पहचानते हुए अमर लेकर आ रहा है एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक अनुभव 'शिवोहम'। जो 28 फरवरी 2026 को कानपुर में आयोजित होगा। 'शिवोहम' कोई साधारण म्यूजिकल कॉन्सर्ट नहीं, बल्कि भक्ति, संस्कृति और आत्मिक जागरण का एक विराट उत्सव है। यह आयोजन कानपुर की धार्मिक चेतना और गहरी आस्था से सीधे जुड़ता है। गंगा तट

की पावन भूमि कानपुर, जहां शिवभक्ति सदियों से जीवन का हिस्सा रही है, वहां 'शिवोहम' श्रद्धा को एक नए आधुनिक और भव्य रूप में प्रस्तुत करेगा। आस्था और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम इस दिव्य आयोजन में प्रवेश करते ही दर्शक स्वयं को शिव तत्वों से सराबोर एक अलौकिक वातावरण में पाएंगे। कैलाश मानसरोवर से प्रेरित भव्य साज-सज्जा, दिव्य प्रकाश व्यवस्था और शांत ध्वनियां ऐसा अनुभव कराएंगी मानो भक्त स्वयं शिवलोक की यात्रा पर निकल पड़े हों। आस्था और आधुनिक तकनीक के अनूठे संगम में यहां देखने को मिलेंगे12 ज्योतिलिंगों के एआई दर्शन अनुभव के माध्यम से, जहां भक्त डिजिटल तकनीक के जरिये इन पवित्र धामों का साक्षात्कार कर सकेंगे। स्वाद का भी होगा खास इंतजाम आयोजन स्थल पर होगा एक खास सात्विक फूड कोर्ट, जहां शुद्ध और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया जा सकेगा। इसके अलावा शिवभक्तों के लिए तैयार किया गया एक विशेष मार्केट प्लेस, जहां फेस पेंटिंग, टैटू आर्ट और शिव थीम पर आधारित कई आकर्षक और अनोखे स्टॉल्स भक्तों को अपनी ओर खींचेंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन के टिकट ऊ२३१९१ एप पर उपलब्ध हैं। सीटें सीमित हैं। इसलिए देर न करें। अभी बुक करें और इस दिव्य उत्सव का हिस्सा बनें। टिकट बुक करने के लिए दफकोड स्कैन करें। कार्यक्रम के आकर्षण ऊर्जा से भरपूर शिव तांडव नृत्य प्रस्तुति, युवाओं को झूमने मजबूर करने वाला डिवोशनल डीजे बीट्स और एक भव्य साउंड व लेजर शो, जो दर्शकों को एक अलग ही आध्यात्मिक लोक में ले जाएगा।` इस पूरी आध्यात्मिक यात्रा का शिखर होगा देश के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर और उनकी कैलासा बैंड की भव्य प्रस्तुति, जहां शिव भजनों की गूंज हर मन और आत्मा को छू जाएगी 'शिवोहम केवल संगीत का आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को भीतर तक झकझोर देने वाला एक आध्यात्मिक जागरण है। एक ऐसा अनुभव जिसे हर उम्र का व्यक्ति अपने परिवार और मित्रों के साथ जीना चाहेगा। यदि आपने इस आयोजन को मिस किया, तो निश्चित रूप से आप कुछ बेहद खास अनुभव करने से चूक जाएंगे।

शुभम जायसवाल का सहयोगी अमित जायसवाल दिवेश जायसवाल समेत पांच गिरफ्तार

वाराणसी। कोडीन कफ सिरप मामले में सरगना शुभम जायसवाल का मुख्य सहयोगी अमित जायसवाल, दिवेश जायसवाल समेत पांच अभियुक्तों को कोतवाली पुलिस ने मिजार्पुर लिंक रोड से गिरफ्तार किया है। दोनों मुख्य आरोपी 25-25 हजार के इनामी हैं। कोडीन युक्त न्यू फैंसाडिल कफ सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी करने वाले गिरोह का कोतवाली पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। थाना कोतवाली कमिश्नरेट वाराणसी पर दर्ज मुकदमा संख्या 235/2025 से संबंधित वांछित पांच अभियुक्तों को एसआईटी टीम ने गिरफ्तार किया है। इनमें तीन अभियुक्त 25-25 हजार रुपये के इनामी और वारंटी हैं। फर्जी बिलों से चलता था तस्करी का खेल पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे फर्जी व कूटरचित जीएसटी इनवॉइस और ई-वे बिल के जरिए रांची (झारखंड) स्थित शैली ट्रेडर्स के माध्यम से कोडीन युक्त न्यू फैंसाडिल कफ सिरप की भारी

खेप मंगवाते थे। इस सिरप को औषधीय उपयोग के बजाय नशे के लिए देश के विभिन्न राज्यों में मेडिकल फर्मों के जरिए खपाया जाता था। गिरोह के सदस्य शुभम जायसवाल के केबीएन प्लाजा स्थित कार्यालय में बैठक कर पूरी साजिश रचते थे। यहीं तय होता था कि पैसा कैसे बैंकों में जमा कराना है और फर्मों को नकद भुगतान कैसे करना है। अभियुक्तों ने कबूल किया कि अब तक करीब 25 लाख बोतलों की तस्करी कर हवाला के जरिए 40 करोड़ रुपये का अवैध कारोबार किया गया, जिसमें से करीब आठ करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक लाभ उन्हें मिला।

संक्षिप्त खबरें

पोस्टमार्टम में नहीं खुली रामसागर की मौत की वजह

संवाद न्यूज एजेंसी कप्तानगंज (बस्ती)। थाना क्षेत्र के पिलखाव गांव के कनिष्ठ सहायक राम सागर तिवारी की मौत का राज पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी नहीं खुल सकी। डॉक्टरों ने बिसरा सुरक्षित कर लिया है। शुक्रवार की रात को परिजनों ने राम सागर के शव का अयोध्या धाम में अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक वे बड़े ही मृदुल स्वभाव के थे। परिवार के लोगो का रो रोकर बुरा हाल है। बता दें कि जिला उद्योग केंद्र बस्ती में कनिष्ठ सहायक के पद पर तैनात राम सागर तिवारी (58) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में शुक्रवार की सुबह पिलखाव गांव में ट्यूबवेल के पास झाड़ियों में मिला था। पुलिस के अनुसार, मौके से जहर की शीशी मिली थी। सूत्रों की मानें तो एक रिश्तेदार द्वारा उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था, इससे वे काफी परेशान हो गए थे। रिश्तेदार द्वारा उन्हें लगातार धमकाया जा रहा था, इसी से पारिवारिक कलह बढ़ गई थी। एसओ आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पोस्टमार्टम में भी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। बिसरा सुरक्षित कर लिया गया। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के केवटली गांव में शनिवार की सुबह सागौन के पेड़ से केबल के सहारे एक युवक का शव लटका मिला। इससे सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की पहचान केवटली गांव निवासी राम बहादुर के पुत्र अजय (27) के रूप में हुई। प्रदूषणप्रीमियम स्वच्छ हवा, वादे और वित्तीय मकड़जाल; भारत जैसे देशों पर क्यों पड़ रहा है प्रदूषण का सबसे बड़ा बोझ? परिजनों के अनुसार अजय तनाव के दौर से गुजर रहा था। वह सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी पत्नी प्रिया कुमारी और दो वर्ष की एक बेटी रोशनी है। अजय पांच भाइयों में सबसे बड़ा था। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात अजय पत्नी के साथ घर में सो रहा था। रात में कब वह घर से निकला गया, इसकी भनक नहीं हो सकी। सुबह गांव के बाहर पेड़ से उसका शव लटका मिला। थानाध्यक्ष सुनील कुमार गौड़ का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण की पुष्टि हो सकेगी।

आठ गैंगस्टर को आठ साल की सजा, 20-20 हजार रुपये अर्थदंड

बस्ती। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने शनिवार को आठ गैंगस्टरों को आठ-आठ साल की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न भरने पर छह महीने अतिरिक्त जेल में रहना पड़ेगा। रुधौली के तत्कालीन थानेदार विजय शंकर गिरि 15 मार्च को हमराहियों के साथ सरकारी जीप से क्षेत्र के भ्रमण पर जा रहे थे। इस दौरान संज्ञान में आया कि ग्राम पैड़ा निवासी खलीलुल्लाह गैंग बनाकर संगठित अपराध करता है। उसके गैंग के गुर्गे हमीदुल्लाह, बैतुल्लाह, हबीबुल्लाह, समीउल्लाह, बसीउल्लाह, अब्दुल गफ्फार, रहमतुल्लाह तथा ग्राम खम्मा के सरफुद्दीन आदि हैं। गैंग सरगना खलीलुल्लाह अपने गुर्गों के साथ अपराध, सामूहिक हिंसा एवं समाज विरोधी क्रिया-कलाप करने में लिप्त है।

गौर सीएचसी में घंटों तड़पता रहा घायल युवक, हंगामा

गौर। सड़क दुर्घटना में घायल युवक को रात में गौर सीएचसी पर इलाज न मिलने से स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के प्रति नाराजगी व्यक्त की है। शुक्रवार की रात करीब 10 बजे चकचई ओवरब्रिज पर रोहन (25) सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। स्थानीय लोग इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर ले गए। रात में डॉक्टर के न रहने पर घंटों इलाज के लिए मरीज तड़पता रहा। अस्पताल में डॉक्टरों के मौजूद न रहने पर स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा देख फार्मासिस्ट ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, गौर थाना क्षेत्र के रामवापुर गांव निवासी रामतीरथ का बेटा रोहन कहीं गया था। रात में बाइक से घर लौटते समय गौर बाजार के पास स्थित चकचई ओवरब्रिज पर रात में अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी पर ले गए, जहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं मिला और घंटों इलाज के लिए युवक तड़पता रहा। सूचना पाकर परासडीह गांव के भाजपा नेता पंडित अमन शुक्ल अपने साथियों के साथ अस्पताल पर पहुंचे और इलाज के लिए ओपीडी कक्ष व आवास पर चक्कर लगाते रहे, मगर कोई डॉक्टर नहीं मिले।

संदिग्ध हालात में युवक लापता, अपहरण की आशंका

रुधौली। थाना क्षेत्र के बिजलपुर गांव निवासी सोनू चौधरी (22) शुक्रवार की देर रात रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताई है। युवक की तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस ने कई जगह दबिश भी दी, मगर कामयाबी नहीं मिल पाई। चर्चा है कि जमीन के काम में उसने कम दिनों में अच्छी रकम कमा ली थी। साथ ही, पुलिस प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला मानकार भी छानबीन कर रही है। सोनू के मौसेरे भाई संजय चौधरी ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि सोनू शुक्रवार की दोपहर में कुछ जरूरी काम से अपनी चार पहिया वाहन से बस्ती गया था। गाड़ी चलाते वक्त वह अपनी मंगेतर से मोबाइल पर बात कर रहा था। सोनू की मंगेतर ने उसे बताया है कि लौटे वक्त वह कोहरा नहर से हनुमानगंज की तरफ मुड़ा था, तभी चार-पांच लोगों ने उसकी कार रोकवा लिया। सोनू ने फोन रख दिया, मगर स्पीकर खुला था। इससे पूरी बात सुनाई दे रही थी। इसके बाद मोबाइल का स्वीच ऑफ हो गया और तब से सोनू भी लापता है। इस संबंध प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर युवक के अपहरण के आरोप में अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसओजी सहित छह टीमें युवक को खोजने में लगी हैं। जल्द की कामयाबी मिलने की उम्मीद है।

महिला की पिटाई के आरोप में सात आरोपियों पर प्राथमिकी

बहादुरपुर। घर में घुसकर महिला की पिटाई करने के सात आरोपियों पर कलवारी पुलिस ने शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। कलवारी थाना क्षेत्र के गौरिया की रहने वाली नंदिनी ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि आठ सितंबर 2025 की शाम करीब बजे पुरानी रंजिश को लेकर दिलीप, संदीप, राहुल, रोहित, अनुराग, आयुष, अनूप निवासी गौरिया व अर्शदीप निवासी सैनिया लारा थाना दुबौलिया एक राय होकर उसके दरवाजे पर आ गए। उसके घर लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिया। गाली देते हुए मारने के लिए दौड़ा लिया। वह घर में चली गई।

ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी वैगनआर कार,महिला समेत 2 लोग घायल

लखनऊ,(संवाददाता)। निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के पास रविवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। एक वैगनआर कार ईंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुस गई। हादसे में कार सवार महिला पुरूष गंभीर रूप से घायल हो गए।उनकी पहचान सरोजनीनगर के विकास और संगीता गंभीर रूप से घायल हो गईं। टक्कर इतनी भीषण रही कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रॉली पलट गई। इस दौरान पूर्व जल शक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह निगोहां क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसा देखकर उन्होंने अपना काफिला रोका। अपनी सुरक्षा में लगे एस्कॉर्ट वाहन से घायलों को मोहनलालगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। सीएचसी में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद संगीता और विकास की हालत गंभीर देखते हुए दोनों को ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इस दौरान पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह अस्पताल में मौजूद रहे। घायलों के रेफर होने तक व्यवस्था संभाली। पूर्व मंत्री ने एम्बुलेंस से घायलों को ट्रॉमा सेंटर भेजवाने की व्यवस्था कराई। पीजीआई ट्रॉमा सेंटर प्रशासन से बात कर दोनों घायलों का तत्काल और बेहतर इलाज सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सामाजिक परिचर्चा 14 को मानस भवन में

ग्वालियर। वॉइस फॉर यूथ इंक्लालिटी के संस्थापक अखिलेश पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सवर्ण समाज समन्वय समिति (एस4) के संस्थापक एवं शांभवी पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप से दिल्ली में मुलाकात की। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नई गाइडलाइन के विरोध में आठ मार्च को दिल्ली में होने जा रहे महाआंदोलन को समर्थन दिया। आगामी रणनीति को लेकर मानस भवन में 14 फरवरी को सामाजिक परिचर्चा के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया। जिस पर उन्होंने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व प्रधान आयुक्त एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप श्रीवास्तव एवं क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संजीव गर्ग, शैलेंद्र सिंह कुशवाह, राजेंद्र श्रीवास्तव, आशुतोष दुबे, कुलदीप कांकोरिया एवं अन्य सवर्ण बंधु उपस्थित रहे।

स्वयं को जानने और ईमानदारी से रहने की प्रक्रिया को बताया

ग्वालियर। राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग भोपाल द्वारा ग्वालियर के विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकों के साथ आवासीय वर्कशॉप आनंदम सहयोगी का आयोजन भारतीय पर्यटन यात्रा प्रबंधन संस्थान में किया गया। कार्यक्रम में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनको मास्टर ट्रेनर्स द्वारा विभिन्न टूल्स के माध्यम से स्वयं से जुड़कर, स्वयं को जानने और ईमानदारी से शांतिमय, आनन्दमय जीवन जीने की प्रक्रिया को अपने अनुभवों के द्वारा समझाया गया। इसमें डॉ. रेखा श्रीवास्तव और रेशमा बानो ने सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर चंद्रशेखर बरुआ और हेमंत त्रिवेदी ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में फिर दोहराए गए पुराने निर्देश

बाड़े पर हो अतिक्रमण की निगरानी सचिन तेंदुलकर मार्ग पर शुरू हो काम

■ ग्वालियर

शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक एक बार फिर केवल औपचारिकता बनकर रह गई। शनिवार को सांसद भारत सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में हुई बैठक में हर बार की तरह वही पुराने निर्देश दोहराए गए, जिससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह बैठक वास्तव में समाधान के लिए होती है या केवल खानापूर्ति साबित हो रही है।

बैठक में ब्लैक स्पॉट, विद्युत पोल शिफ्टिंग, पार्किंग व्यवस्था, यातायात नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, स्कूल बसों की नियमित जांच जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। महाराज बाड़े पर लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण का मुद्दा भी उठा। समिति सदस्यों ने स्पष्ट रूप से कहा कि बाड़े पर प्रतिदिन अतिक्रमण की निगरानी की जाए, लेकिन इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई ठोस जबाव नहीं दिया गया।

इसी तरह लंबे समय से खुदे पड़े सचिन तेंदुलकर मार्ग का मामला भी बैठक में उठा। इस पर अधिकारियों ने यह कहकर बात टाल दी कि टेंडर हो चुके हैं और जल्द काम शुरू होगा।

सांसद श्री भारत सिंह कुशवाहा ने बैठक में कहा कि शहर में यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का चिन्हांकन आवश्यक है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, नगर निगम और परिवहन विभाग का संयुक्त दल गठित कर पूरे शहर में वैकल्पिक मार्गों का चयन करने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात को अधिक सुव्यवस्थित किया जा सके।

विद्युत पोल शिफ्टिंग की समीक्षा करते हुए सांसद ने कहा कि यातायात में बाधक बने सभी पोल शीघ्रता से हटाए जाएं। नगर निगम और विद्युत मंडल के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य तेज करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही हजीरा से चार शहर का नाका तक फ्लाईओवर निर्माण और एजी ऑफिस से चंद्रबदनी नाका तक छह लेन सड़क निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

सांसद ने यह भी कहा कि स्मार्ट सिटी और नगर निगम द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी कर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार कार्य अभियान के रूप में किए जाएं और उनकी रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत की जाए। बैठक में स्कूल बसों की नियमित जांच, पार्किंग व्यवस्था के बेहतर संचालन, ई-रिक्शा और ऑटो संचालन को सुव्यवस्थित करने पर भी जोर दिया गया। सांसद ने नगर निगम और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि यातायात की दृष्टि से आवश्यक सड़कों का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। शीतला माता रोड सहित अन्य प्रमुख सड़कों पर विद्युत व्यवस्था सुधारने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से विधायक भितरवार मोहन सिंह राठौर, विधायक डबरा सुरेश राजे, विधायक ग्वालियर ग्रामीण साहब सिंह गुर्जर, भाजपा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य मौजूद रहे।

आईएसबीटी से बस संचालन शीघ्र शुरू करने के निर्देश

सांसद श्री कुशवाहा ने कहा कि आईएसबीटी से बसों का संचालन जल्द शुरू कराया जाए। प्रथम चरण में भिंड और मुरैना की ओर बस संचालन प्रस्तावित है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने इसके लिए शीघ्र संयुक्त बैठक आयोजित करने की बात कही।

हिंदुस्तान मेरी जान, वायुसेना बैण्ड की शानदार प्रस्तुति

■ ग्वालियर

ग्वालियर व्यापार मेले में वायुसेना के बैण्ड ने शनिवार को शानदार गीतों की प्रस्तुति दी। जिसमें बैण्ड का अलग ही रंग सैलानियों को देखने मिला। वायुसेना के बैण्ड ने वालीवुड के रोमांटिक गानों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। जिसमें 80-90 के दशक के गानों को गाया गया। सबसे पहले हिंदुस्तान मेरी जान गीत को प्रस्तुत किया गया जिसने मेले में समां बांध दिया।

इसके बाद बदन पर सितारे लपेटे हुए ओ जाने तमन्ना कहां जा रही हो..., छू कर मेरे मन को किया तुने क्या इशारा... आदि गानों की प्रस्तुति दी। इन गीतों को सुनकर हर कोई मग्न हो गया। इस अवसर पर जिलाधीश रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, एयर कमोडोर मनीष शर्मा, सुभाष सी सिंह, अमित बाजपेयी आदि उपस्थित रहे।

स्टॉल पर उमडी भीड़

इस मौके पर वायुसेना की ओर से स्टॉल भी लगाया गया था। इस स्टॉल पर वायुसेना की टोपी, टीशर्ट सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुएं रखी थीं। इन वस्तुओं को मेले में आए सैलानियों ने काफी पंसद किया और जमकर खरीदारी की।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता रथ रवाना

ग्वालियर। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वावधान में जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ यात्रा का शुभारंभ किया गया। सांसद भारत सिंह कुशवाहा, जिलाधीश रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया। यह जागरूकता रथ ग्वालियर शहर सहित जिले के लगभग 150 ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेगा। रथ के माध्यम से लोगों को बाल विवाह न करने और इसे रोकने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह उन्मूलन के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपना समर्थन दर्ज कराया। इससे पूर्व बाल विवाह के विरुद्ध शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने बाल विवाह रोकने हेतु सतत प्रयास करने का संकल्प लिया। यह जागरूकता रथ यात्रा आगामी 10 दिनों तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित की जाएगी।

150 गांवों में पहुंचेगा, सांसद ने दिखाई हरी झंडी

जनप्रतिनिधियों व नामांकित सदस्यों के साथ विकास के लिए समिति गठित

■ ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में ग्वालियर जिले के समग्र विकास के लिए जिला स्तरीय विकास सलाहकार समिति का गठन किया गया है। समिति के गठन के आदेश जिलाधीश रुचिका चौहान द्वारा जारी किए गए हैं। समिति में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रभारी मंत्री द्वारा नामांकित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिला विकास सलाहकार समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे, जबकि उपाध्यक्ष जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट रहेंगे। समिति के सदस्य के रूप में सांसद भारत सिंह कुशवाहा, महापौर शोभा सतीश सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव, विधायकगण साहब सिंह गुर्जर, डॉ. सतीश सिकरवार, मोहन सिंह राठौर, सुरेश राजे, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा को शामिल किया गया है। समिति में जिले के सभी जनपद अध्यक्ष भी सदस्य रहेंगे। इनमें जनपद पंचायत मुरार के अध्यक्ष दिलीप सिंह उर्फ दिलराज किरार, घाटीगांव की अध्यक्ष वर्षा दिलीप रावत, जनपद पंचायत डबरा की अध्यक्ष प्रवेश मेहताब सिंह गुर्जर एवं जनपद पंचायत भितरवार की अध्यक्ष लक्ष्मीराजे शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रभारी मंत्री सिलावट द्वारा उद्योग, व्यापार, कृषि, समाजसेवा, चिकित्सा, विधि एवं शिक्षा क्षेत्र से 20 नामांकित सदस्यों को समिति में शामिल किया गया है। इनमें चेम्बर के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, दीपक बंसल, डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव, कृषक सरमन सिंह कुशवाह, जनमेजय चौरसिया, मयंक गर्ग अन्य शामिल हैं। जिला विकास सलाहकार समिति की सदस्य सचिव जिलाधीश रहेंगी।

6 साल के बच्चे को लेकर परिजन इलाज अधूरा छोड़कर लौटे

■ ग्वालियर

ग्वालियर में रैबीज को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। तीन दिन पहले रैबीज संक्रमण से एक महिला की मौत हो चुकी है। इसी बीच शनिवार को दतिया जिले से छह साल के एक बच्चे को रैबीज के संदेह में इलाज के लिए न्यू जेएएच के पीएसएम विभाग लाया गया। डॉक्टरों ने बच्चे की स्थिति को गंभीर मानते हुए तत्काल एंटी रैबीज वैक्सीन के साथ-साथ घाव के आसपास लगाए जाने वाला इम्युनोग्लोब्युलिन इंजेक्शन भी लगाया।

डॉक्टरों ने परिजनों को सलाह दी कि बच्चे को केआरएच (कमला राजा अस्पताल) में भर्ती कराया जाए, ताकि आगे का इलाज और निगरानी शुरू की जा सके। परिजन बच्चे को केआरएच लेकर पहुंचे भी, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्होंने डॉक्टरों से यह कहते हुए बच्चे को वापस ले जाने की बात कही कि वे इलाज आगे नहीं कराना चाहते। डॉक्टरों ने रैबीज की गंभीरता को समझाते हुए काफी देर तक परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन नहीं माने और बच्चे को लेकर लौट गए।

गिरवाई क्षेत्र के 30 से अधिक गांवों को 40 किमी दूर तहसील मुख्यालय पहुंचना पड़ रहा

वार्ड 66 की पार्षद ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया से की मुलाकात, अलग टप्पा तहसील बनाने की मांग

■ ग्वालियर

जिले में नवगठित तहसील पुरानी छावनी का मुख्यालय दूर होने के कारण ग्रामीण के गिरवाई क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले करीब 30 गांवों के निवासी गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। इन गांवों को राजस्व व प्रशासनिक कार्यों के लिए लगभग 40 किलोमीटर दूर तहसील मुख्यालय जाना पड़ रहा है।

बीते वर्ष नई तहसील ग्रामीण का गठन किया गया, जिसका मुख्यालय पुरानी छावनी क्षेत्र में निर्धारित किया गया। इस तहसील में गिरवाई वृत्त के 30 गांवों को भी शामिल कर दिया गया, जबकि ये गांव मुख्यालय से काफी दूरी पर स्थित हैं।

इस समस्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर ग्रामीण के जिला मंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर एवं वार्ड क्रमांक 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की। उन्होंने गिरवाई सर्किल के 30 से अधिक गांवों के लिए अलग टप्पा तहसील बनाए जाने तथा कलेक्ट्रेट ग्वालियर से ही राजस्व कार्य संपादित कराने की मांग रखी।केंद्रीय मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि इन सभी गांवों के निवासियों की पूर्व में लश्कर तहसील थी, जिसका मुख्यालय कलेक्ट्रेट भवन, ग्वालियर में स्थित था, जो ग्रामीणों के लिए सुविधाजनक और नजदीक था। अब नई व्यवस्था के तहत ग्रामीणों को शहर के दक्षिणी हिस्से से पूरा ग्वालियर शहर पार कर उत्तर दिशा में स्थित पुरानी छावनी तहसील तक जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि नई तहसील बनने से सुविधा बढ़ने के बजाय उनकी समस्याएं और बढ़ गई हैं। राजस्व संबंधी छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी पूरा शहर पार करना पड़ रहा है।

ये गांव शामिल हैं

गिरवाई, वीरपुर, अजयपुर, नीम चंदोह, चंदोह खुर्द, बेला, छोड़ा, खेरिया, खेरिया कछाई, नौगांव, सांतऊ, कुशराजपुर, पुरासानी, पिपरोली, शालूपुरा, तिलैया जागीर, बरौआ, बड़ौरी, सिकरौदी, नागौर, सिकरौदा, तुरारी, लखनौती कला, लखनौती खुर्द, ओडुपुरा जागीर, खार, डांग सरकार, अलीनगर, लोडरा एवं नौनेरा सहित अन्य गांव शामिल हैं।

भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए अभिनव व सतत व्यापार अनिवार्यः प्रो. राव

जीवाजी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन मैनेजमेंट द्वारा शनिवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ किया गया। समकालीन प्रबंधन के लिए सतत व्यावसायिक प्रथाएं, नवाचारी समाधानों की खोज विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में देशभर से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं प्रबंधन विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इग्नू के पूर्व कुलगुरु प्रो. नागेश्वर राव रहे। मंच पर आईटीएम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. योगेश उपाध्याय, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य, प्रो. राजेंद्र खटीक, कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. स्वर्णा परमार मंचासीन रहे।

मुख्य अतिथि प्रो. राव ने अपने उद्बोधन में कहा कि सतत व्यावसायिक प्रथाएं ही भविष्य की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव रख सकती हैं। नवाचार के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करने होंगे।

मुख्य वक्ता के रूप में आईटीएम के कुलगुरु प्रो. उपाध्याय ने कहा कि समकालीन प्रबंधन में तकनीक, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्टार्टअप संस्कृति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ. आचार्य ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज और उद्योग की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए सक्षम मानव संसाधन तैयार करना है। कार्यक्रम के दौरान संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देशभर से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों और प्रबंधन विशेषज्ञों द्वारा 20 से अधिक शोध पत्रों का वाचन किया गया। इस अवसर पर प्रो. डी.एन. गोस्वामी, प्रो. आई.के. पात्रो, प्रो. ए.के. सिंह, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. सुशील मंडेलिया, डॉ. सतेंद्र सिकरवार, प्रो. विवेक बापट, प्रो. जे.एन. गौतम, प्रो. एस.एन. महापात्रा, प्रो. एस.के. सिंह, प्रो. शांतिदेव सिसौदिया, डॉ. नवनीत गरूड़, डॉ. पी.के. जैन, सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियदर्शिनी नागौरी, खुशी कुशवाह एवं यश टिलवानी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रो. राजेंद्र खटीक ने व्यक्त किया।

संगीत महाविद्यालय में सुमधुर संगीत सभा का आयोजन

ग्वालियर। शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय में मासिक सभा के अंतर्गत सुमधुर संगीत सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति विपिन पवैया ने कत्थक नृत्य में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर दी। इसके पश्चात महाविद्यालय के छात्र उत्कर्ष शर्मा ने बांसुरी पर राग देस एवं एक भावपूर्ण भजन की प्रस्तुति दी। तबले पर हिमांशु चतुर्वेदी एवं तानपुरे पर अदिति त्रिवेदी ने संगत कर प्रस्तुति को सराहनीय बनाया। सभा की अंतिम प्रस्तुति पुणे से आई विदुषी उर्वशी शाह के शास्त्रीय गायन से हुई। उन्होंने राग शुद्ध सारंग में बड़ा ख्याल तथा छोटा ख्याल प्रस्तुत किया। संगत तबले पर विनय बिन्दे एवं हारमोनियम पर अनिल दंडोतिया ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय विद्युत समिति की बैठक

'शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत सुधार कार्य तेजी से पूर्ण हों'

■ ग्वालियर

सांसद भारत सिंह कुशवाहा ने निर्देश दिए हैं कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत सुधार से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। सांसद शनिवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय विद्युत समिति की बैठक में विभागीय समीक्षा कर रहे थे।

सांसद श्री कुशवाहा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के तहत स्वीकृत विद्युत सुधार कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए तथा जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को नियमानुसार योजनाओं में शामिल किया जाए। बैठक में अधीक्षण यंत्री श्री पाराशर ने बताया कि आरडीएसएस योजना अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 151.60 करोड़ रुपये की लागत से नवीन उपकेन्द्र, पावर ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि एवं एलटी लाइनों के उन्नयन के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही ग्रामीण मॉडर्नाइजेशन के तहत 69.75 करोड़ रुपये के कार्य प्रस्तावित हैं। शहरी क्षेत्र के संबंध में अधीक्षण यंत्री शहर श्री कालरा ने बताया कि वार्ड 1 से 66 तक 143.31 लाख रुपये की लागत से विद्युतीकरण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। बैठक में विधायक डबरा सुरेश राजे ने ग्रामीण क्षेत्रों की खराब विद्युत व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि गांवों में ट्रांसफार्मर समय पर ठीक नहीं होते और कर्मचारी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेते। उन्होंने व्यवस्था में सुधार की मांग की। अन्य विधायकों ने भी अपने क्षेत्रों से जुड़े विद्युत सुधार प्रस्ताव रखे। बैठक में विशेष रूप से बैठक में विधायक भितरवार मोहन सिंह राठौर, विधायक ग्वालियर ग्रामीण साहब सिंह गुर्जर, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य मौजूद रहे।

महाकवि भवभूति समारोह -2026

अन्तर्महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का समापन

■ ग्वालियर

कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन, जीवाजी विश्वविद्यालय एवं महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह के अंतर्गत शनिवार को अन्तर्महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन जीवाजी विवि के गालव सभागार में किया गया। प्रतियोगिताओं में विवि से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 45 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में श्लोक पाठ, संस्कृत भाषण, हिन्दी भाषण, हिन्दी वाद-विवाद तथा संस्कृत निबन्ध लेखन शामिल रहे। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि प्रो. एस.के. द्विवेदी, मुख्य अतिथि शासकीय के.आर.जी. महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. साधना श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष खैमरिया एवं डॉ. ब्रह्मदेव शास्त्री उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ. कृष्णा जैन ने की। मुख्य अतिथि डॉ. साधना श्रीवास्तव ने भवभूति के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला, वहीं प्रो. एस.के. द्विवेदी ने उनके साहित्य को आज भी प्रासंगिक बताया। प्रतियोगिताओं में श्लोक पाठ में साक्षी जैन, शताक्षी राय व कंचन शर्मा, संस्कृत भाषण में हर्षिता यादव, साक्षी जैन व पंकज पाल विजेता रहे। हिन्दी भाषण में अनुराग शर्मा व वंशिता चौहान तथा हिन्दी वाद-विवाद में मनस्वी शर्मा, अनुराग शर्मा व भारत बघेल क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। संस्कृत निबन्ध लेखन में पलक आहूजा, भुवनेश्वरी व आयुषी गुप्ता विजयी रहीं।

संपादकीय

एक नए ग्लोबल ऑर्डर के रचयिता

इकोनॉमिक नैशनलिज्म के फिर से उभरने से दुनिया की राजनीति में पुराने रिवाज हिल गए हैं और नियमों पर आधारित इंटरनैशनल ऑर्डर में भरोसा डगमगा गया है। यह सबसे साफ तौर पर डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ वॉर के दौरान दिखा, जिसमें न सिर्फ दुश्मनों को, बल्कि साथियों को भी टारगेट किया गया। भारत, जो कभी अमरीका की इंडो-पैसिफिक पॉलिसी में एक पसंदीदा पार्टनर था और कनाडा, जो एक अच्छा पड़ोसी और समय की कसौटी पर खरा उतरा दोस्त था, दोनों टैरिफ का शिकार हुए। मैसेज साफ था-स्वार्थ से चलने वाली दुनिया में, भरोसेमंद पार्टनर भी अब स्थिरता को हल्के में नहीं ले सकते।इसने मध्यम और उभरते देशों को ग्लोबल सिस्टम में अपनी जगह पर फिर से सोचने पर मजबूर किया। यहीं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और मार्क कार्नी के बताए गए विचार खास अहमियत रखते हैं। साथ मिलकर, अपने कामों और अपने आइडिया के जरिए, वे सहयोग और नियमों के सम्मान पर आधारित एक बैलेंस्ड ग्लोबल ऑर्डर की ओर इशारा करते हैं।

दावोस में कार्नी ने समाज के उस हिस्से की आवाज बनकर बात की, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है-डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग दुनिया की ह्यमिडल पावर्सह्न। उनकी स्पीच ने बड़े पावर स्ट्रगल और आर्थिक संकटों में फंसे देशों की नाराजगी को साफ तौर पर दिखाया। इससे भी जरूरी बात यह है कि उन्होंने दुनिया को एक नई वोकैबुलरी दी, जिसने डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग देशों के बीच बढ़ते गैप को कम करने और एक सांझा भविष्य की रक्षा करने की सांझी जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्नी का संदेश साफ था-रूल्स-बेस्ड ऑर्डर पर दबाव है लेकिन यह न तो आऊटडेटेड है और न ही रिप्लेसेबल। इसे रिफ्रैश करने की जरूरत है, छोडने की नहीं। इसी ग्लोबल इनस्टेबिलिटी के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी की अप्रोच कम शोर वाली रही लेकिन कम असरदार नहीं। बयानबाजी की बजाय, भारत ने रणनीतिक आर्थिक राजनीति पर फोकस किया। ट्रेड वॉर के एक दौर के बाद, नई दिल्ली ने न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपियन यूनियन जैसे पार्टनर्स के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स को तेजी से आगे बढ़ाया है। ये एग्रीमैंट इंटरनैशनल ट्रेड में बहुत जरूरी स्थिरता देते हैं, खुलेपन के लिए भारत की कमिटमैंट दिखाते हैं और इसे ग्लोबल कैपिटल के लिए एक पसंदीदा मार्केट और गंतव्य बनाते हैं। सप्लाई चेन में रुकावटों और अस्थिर कैपिटल फ्लो के समय में, भारत स्थिरता का एक मजबूत पिल्लर बनकर उभरा है। इन दोनों अप्रोच का कॉम्बिनेशन-कार्नी की आइडियोलॉजिकल दिशा और मोदी का प्रैक्टिकल परफॉर्मैंस-एक मजबूत कम्युनिटी के लिए स्टेज तैयार करता है। मार्च में कार्नी का भारत दौरा, जिसके दौरान एक बड़ी एनर्जी डील होने की संभावना है और कॉम्प्रिहैंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमैंट (सी.ई.पी.ए.) पर बातचीत चल रही है, इस कॉम्बिनेशन को दिखाता है। एक स्ट्रक्चर्ड इंडिया-कनाडा फ्री ट्रेड एग्रीमैंट से दोनों देशों को फायदा होगा-एनर्जी को-ऑप्रेशन मजबूत होगा, सप्लाई चेन में डायवर्सिटी आएगी और इन्वैस्टमैंट फ्लो बढ़ेगा। मोटे तौर पर, भारत और कनाडा दुनिया में स्थिरता के केंद्र बन सकते हैं। दोनों ही प्लूरलिस्टिक डैमोक्रेसी हैं, ग्लोबलाइजेशन के लाभार्थी हैं लेकिन इसकी इनइक्वालिटीज के बारे में भी अच्छी तरह जानते हैं।इकोनॉमिकली, डिप्लोमैटिकली और मोरली एक साथ आगे बढ़कर, ये दोनों देश रूल्स-बेस्ड ऑर्डर में भरोसा बनाए रख सकते हैं-एक ऐसा सिस्टम, जो सिर्फ पावरफुल लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे। ग्लोबल लीडरशिप अब सिर्फ दबदबे से तय नहीं होती। इसे पुल बनाने, भरोसा फिर से बनाने और तब स्थिरता देने से तय किया जाता है, जब दूसरे देश जीरो-सम सोच की ओर मुड़ जाते हैं। अलग-अलग तरीकों से, मोदी और कार्नी एक ही काम कर रहे हैं-चुपचाप एक नए ग्लोबल ऑर्डर का ब्लूप्रिंट बना रहे हैं।

टैरिफ वार छेड़ने वाले ट्रम्प आखिर भारत के सामने कैसे नतमस्तक हुए

> क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोडूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

रवि शंकर

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौता करने की घोषणा की है। इसे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समझौतों में से एक कहा जा रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि इस समझौते की सबसे बड़ी वजह मौजूदा वैश्विक राजनीति है, जिसमें अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कारोबार का इस्तेमाल अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए एक कूटनीतिक हथियार की तरह कर रहे हैं। अमरीका की इसी आक्रामकता का जवाब देने के लिए यूरोपीय संघ और भारत तेजी से मुक्त व्यापार समझौते की तरफ बढ़े हैं लेकिन इसके प्रभावी होने में अभी लंबा वक्त लग सकता है क्योंकि इसे कानूनी रूप देने के लिए यूरोपीय संघ की पार्ल्यामैंट और यूरोपीय परिषद में पारित करवाना है। बहरहाल, भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमैंट केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं का भी संकेत देता है। यह डील ऐसे समय में सामने आई है, जब अमरीका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है और अमरीका भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लागू कर चुका है। लेकिन यूरोपीय संघ और भारत के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने अमरीका को आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर असहज कर दिया। यही वजह है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आखिरकार झुकना पड़ा और भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करना पड़ा।

यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला रहा क्योंकि इससे पहले तक बातचीत बेनतीजा रही थी और अमरीका लगातार भारत पर दबाव बना रहा था। यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रम्प के इस फैसले के पीछे भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी। इस डील से भारत की ताकत बातचीत में बढ़ गई और अमरीका को यह डर सताने लगा कि कहीं वह पीछे न छूट जाए। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही भारत-ई.यू. डील को विकास, निवेश और रणनीतिक साझेदारी के लिए बड़ा कदम बताया था। गौरतलब है कि दुनिया को जब डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ वॉर झकझोर रही थी, तब भारत ने सीधे टकराव की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना। भारत ने अपने उत्पादों के लिए वैकल्पिक बाजार तलाशे। यूरोपियन यूनियन के साथ ऐतिहासिक डील, ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों ने अमरीका पर दबाव बढ़ा दिया। ट्रम्प को समझ आ गया कि भारत के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेडना एक बड़ी गलती थी। यह समझौता सिर्फ कारोबार तक ही सीमित नहीं, बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति पर भी होंगे, खासकर अमरीकी आक्रामक कारोबार नीति पर। अमरीका लंबे समय से भारत जैसे बड़े बाजार के साथ एक बड़ी ट्रेड डील करना चाहता था, ताकि वह भारतीय बाजार से अधिकतम लाभ उठा सके। ऐसे में भारत और ई.यू. के बीच हुई डील अमरीका के लिए एक रणनीतिक झटका है, क्योंकि इससे अमरीका-भारत ट्रेड एग्रीमैंट की संभावनाएं कमजोर होती दिख रही थीं। यूरोपीय संघ के साथ समझौता आगे बढ़ाने का भारत का फैसला उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता को दशार्ता है। इसी कदम ने संभवतरू अमरीका को यह संकेत दिया कि अगर वह भारत के साथ समझौता जल्दी नहीं करता, तो उसे रणनीतिक और आर्थिक नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि ट्रम्प को अपनी रणनीति भारत के खिलाफ बदलनी पड़ी। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों, जैसे कि रूसी कच्चा तेल पर समझौता किए बिना भी वैश्विक शक्तियों के साथ बराबरी के स्तर पर व्यापार कर सकता है। साफ है, भारत ने अमरीका के साथ सीधे टकराव की बजाय धैर्य, कूटनीति और वैकल्पिक बाजारों की रणनीति अपनाई। नतीजा यह हुआ कि टैरिफ वॉर में भारत मजबूती से खड़ा रहा और आखिरकार झुकना अमरीका को पड़ा। बहरहाल, यह समझौता भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक और चुनौतियां भी पेश करता है। यह दशार्ता है कि प्रमुख ग्लोबल अर्थव्यवस्थाओं के बीच संरक्षणवाद बढ़ रहा है। देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए टैरिफ और व्यापार धमकियों का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं कर रहे। भारत को अपनी निर्यात रणनीतियों और व्यापार समझौतों को इस बदलते सीन के अनुरूप ढालना होगा। अगर अमरीका और ई.यू. जैसे बड़े ब्लॉक द्विपक्षीय समझौतों पर फोकस करते हैं तो भारत को अपनी सप्लाई चेन को और अधिक लचीला और विविध बनाने की जरूरत होगी ताकि एक या दो प्रमुख बाजारों पर निर्भरता कम हो सके। यह समझौता भारत को अपने खुद के मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से अंतिम रूप देने और मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकता है। विशेष रूप से उन देशों के साथ, जो प्रमुख व्यापारिक भागीदार हैं ताकि भविष्य में संभावित व्यापारिक दबावों से बचा जा सके। यह ग्लोबल ट्रैंड भारत को ह्यमेक इन इंडियाह्न जैसी पहलों के माध्यम से अपने स्वदेशी उत्पादन और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वह बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील बने।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्यअपनाह्न क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां देर आए, दुरुस्त आए की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दशार्ता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया। 50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और मेक इन इंडिया को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को ह्यनिरंतर धैर्य का परिणामह्न बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाजी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

राहुल गांधी के प्रश्न उनके अनुभवहीन ज्ञान और धारणाओं पर आधारित

> प्रधानमंत्री द्वारा स्थिति को संभालना बहुत ही त्वरित था और सेना प्रमुख को उनके द्वारा उचित समझे जाने वाले तरीके से चीनी सेना को जवाब देने के उनके आदेश बिल्कुल सही थे। मेरा मानना है कि भारतीय सेना के जनरलों और कमांडरों ने चीनी कार्रवाई से उत्पन्न एक पेचीदा स्थिति का बहुत ही मजबूती और बुद्धिमानी से जवाब दिया। कार्रवाई का तरीका सैन्य जनरलों पर छोडने का प्रधानमंत्री का निर्णय बहुत बुद्धिमानी भरा था। चूंकि मौके पर (युद्ध के मैदान में) मौजूद लोग ही स्थिति को अनावश्यक रूप से बढ़ाए बिना चीनी आक्रामकता को रोकने और पीछे हटाने के लिए आवश्यक आदेशों के प्रकार तय करने हेतु सबसे अच्छे जज होते हैं, इसलिए पी.एम. का फैसला पेशेवरों (सेना) पर छोडना सही था। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां सैन्य मामलों में राजनीतिक नेतृत्व के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आपदाएं आई हैं, क्योंकि युद्ध के मैदान की जमीनी हकीकत राजनीतिक निर्णय लेने की तुलना में बहुत अलग और कहीं अधिक जटिल होती है। उदाहरण के लिए, रूस के खिलाफ हिटलर का हमला और उसके बाद अपने जनरलों की विशेषज्ञ सलाह सुनने से उसका इंकार, जिन्होंने उसे रूसी क्षेत्र में गहराई तक न जाने की चेतावनी दी थी, जिसका परिणाम रूसी मोर्चे पर जर्मन सेना का पूर्ण विनाश हुआ। हिटलर ने मध्य पूर्वी मोर्चे पर भी यही गलती की थी, जहां उसने जनरल रोमेल (जिन्हें आमतौर पर ह्यडैजर्ट फॉक्सह्न के रूप में जाना जाता है) के सुझावों को खारिज कर दिया था, जिससे राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण जर्मनी को भारी नुकसान हुआ। युद्धों में अव्यावसायिक हस्तक्षेप के कारण संघर्ष हारने के और भी कई उदाहरण हैं, जैसे वाटरलू, हेमू और अकबर के बीच युद्ध, 1913 का दूसरा बाल्कन युद्ध (बुल्गारिया) और वियतनाम युद्ध। इतिहास ने हमें जो सिखाया है।

विश्वास डावर

एल.ए.सी. पर कैलाश रेंज के संबंध में राहुल गांधी के प्रश्न, जिनमें सरकार पर उचित प्रतिक्रिया देने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है, वे एल.ए.सी. कैलाश रेंज पर चीनी सेना की कार्रवाइयों से उत्पन्न स्थितियों में सैन्य कार्रवाइयों के संबंध में उनके अनुभवहीन ज्ञान और धारणाओं पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री द्वारा स्थिति को संभालना बहुत ही त्वरित था और सेना प्रमुख को उनके द्वारा उचित समझे जाने वाले तरीके से चीनी सेना को जवाब देने के उनके आदेश बिल्कुल सही थे। मेरा मानना है कि भारतीय सेना के जनरलों और कमांडरों ने चीनी कार्रवाई से उत्पन्न एक पेचीदा स्थिति का बहुत ही मजबूती और बुद्धिमानी से जवाब दिया। कार्रवाई का तरीका सैन्य जनरलों पर छोडने का प्रधानमंत्री का निर्णय बहुत बुद्धिमानी भरा था। चूंकि मौके पर (युद्ध के मैदान में) मौजूद लोग ही स्थिति को अनावश्यक रूप से बढ़ाए बिना चीनी आक्रामकता को रोकने और पीछे हटाने के लिए आवश्यक आदेशों के प्रकार तय करने हेतु सबसे अच्छे जज होते हैं, इसलिए पी.एम. का फैसला पेशेवरों (सेना) पर छोडना सही था। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां सैन्य मामलों में राजनीतिक नेतृत्व के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आपदाएं आई हैं, क्योंकि युद्ध के मैदान की जमीनी हकीकत राजनीतिक निर्णय लेने की तुलना में बहुत अलग और कहीं अधिक जटिल होती है। उदाहरण के लिए, रूस के खिलाफ हिटलर का हमला और उसके बाद अपने जनरलों की विशेषज्ञ सलाह सुनने से उसका इंकार, जिन्होंने उसे रूसी क्षेत्र में गहराई तक न जाने की चेतावनी दी थी, जिसका परिणाम रूसी मोर्चे पर जर्मन सेना का पूर्ण विनाश हुआ। हिटलर ने मध्य पूर्वी मोर्चे पर भी यही गलती की थी, जहां उसने जनरल रोमेल (जिन्हें आमतौर पर ह्यडैजर्ट फॉक्सह्न के रूप में जाना जाता है) के सुझावों को खारिज कर दिया था, जिससे राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण जर्मनी को भारी नुकसान हुआ। युद्धों में अव्यावसायिक हस्तक्षेप के कारण संघर्ष हारने के और भी कई उदाहरण हैं, जैसे वाटरलू, हेमू और अकबर के बीच युद्ध, 1913 का दूसरा बाल्कन युद्ध (बुल्गारिया) और वियतनाम युद्ध। इतिहास ने हमें जो सिखाया है, उसे देखते हुए, राजनीतिक वर्ग

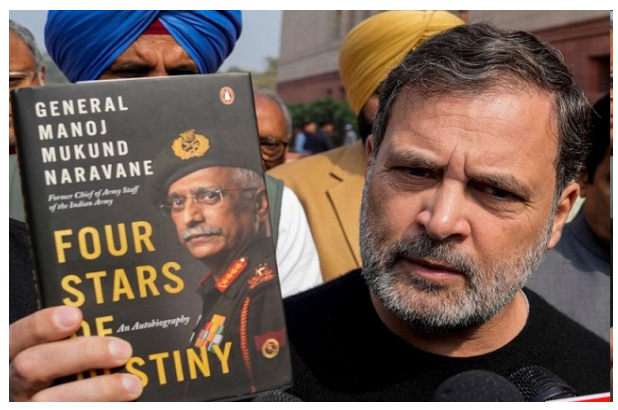

को यह निर्देश नहीं देना चाहिए कि युद्ध के मोर्चे पर निर्णय कैसे लिए जाएं। उन्हें केवल सैन्य कर्मियों से सैनिकों की तैयारी के संबंध में परामर्श करने के बाद यह तय करना चाहिए कि युद्ध में जाना है या नहीं, न कि बिना तैयारी के संघर्ष के लिए मजबूर करना चाहिए। हमने 1962 में ऐसी तैयारी की कमी के परिणाम देखे थे। जब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय सेना को चीनी सेना को भारतीय क्षेत्र से खदेडने का आदेश दिया, तो उन्होंने इसे जल्दबाजी में किया। सेना को बिना उचित उपकरण, पर्याप्त कपड़ों या पर्याप्त राशन के मोर्चे पर भेज दिया गया। हालांकि हमारे सैनिक अत्यधिक वीरता के साथ लड़े लेकिन जान-माल और क्षेत्र का नुकसान महत्वपूर्ण था क्योंकि हम चीनी सेना की तुलना में तैयार नहीं थे। हालांकि, 1967, 1987 और उसके बाद (यहां तक कि गलवान में भी) हमने मुंहतोड़ जवाब दिया क्योंकि हम उनका सामना करने के लिए तैयार थे। भारत ने अब चीनी खतरे को बहुत गंभीरता से लिया है और सुरंगों, कनैकिंग टनल, पुलों, सड़कों और हवाई पट्टियों का निर्माण करके चीन के साथ हमारी पूर्वी सीमा पर मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया है। पूरी चीनी सीमा को शेष भारत से जोड़कर, सैनिकों, सामानों और सामग्रियों की आवाजाही में काफी सुधार हुआ है। ऑप्रेशन सिंदूर (संभवतः ऑप्रेशन सिंधु का संदर्भ) की सफलता और दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों और हवाई अड्डों को इससे हुई तबाही सेना की तीनों शाखाओं-थल सेना, नौसेना और वायु सेना के सैन्य अधिकारियों की बहादुरी और सटीक योजना के कारण संभव हो सकी। सब कुछ बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के, सहज समन्वय और योजना के माध्यम से हासिल किया गया था। बलों को दुश्मन को दंडित करने की पूरी छूट दी गई थी, जिससे हम आतंकवादी बुनियादी ढांचे और उनकी वायु रक्षा को नष्ट करने में सक्षम हुए। पाकिस्तानियों को 4 दिनों के छोटे युद्ध में हराना सैन्य क्षेत्र की हर शाखा में हमारी सेना की तैयारी का स्पष्ट संकेत है। यह जीत राजनीतिक इच्छाशक्ति और हमारी सेना के दृढ़ संकल्प को दशार्ती है कि वे निर्णायक रूप से कार्य करें और ऐसे किसी भी दुस्साहस को दंडित करें, जिससे पहलगाम जैसी त्रासदियों को रोका जा सके।ह्न प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट टीम ने सेना को दुश्मन के खिलाफ मजबूती से काम करने का अपार आत्मविश्वास दिया है क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व बिना किसी आंतरिक या बाहरी दबाव के सेना की कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। प्रतिकूल परिस्थितियों में किसी भी प्रकार के दुस्साहस को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए पूर्वी सीमा पर आधुनिक युद्ध मशीनें और उपकरण तैनात किए गए हैं।

स्वतंत्र देव का रास्ता रोकने वाले बीजेपी विधायक के समर्थन में उतरे गंगाचरण राजपूत

लखनऊ,(संवाददाता)। महोबा में जल जीवन मिशन की बदहाली पर यूपी के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से लोहा लेने वाले चरखारी से भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत के समर्थन में अब उनके पिता और पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत उतर आए हैं। गंगाचरण राजपूत ने पार्टी की तरफ से बेटे को मिले नोटिस के बीच स्वतंत्र देव पर अनुशासनहीनता के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने जो कहा वह जनता का दर्द था।बुंदेलखंड में पानी की पाइपलाइन बिछाने के नाम पर खुदी पड़ी सड़कें अब भाजपा के अंदरूनी कलह का कारण बन गई हैं। चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत द्वारा मंत्री का काफिला रोकने और सोशल मीडिया पर बयानबाजी के बाद शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। विधायक को नोटिस पर उनके पिता पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने सीधे जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर विधायक को नोटिस मिला है तो मंत्री को भी नोटिस मिलना चाहिए। जब संगठन ने मीडिया में बयानबाजी पर रोक लगाई थी तो मंत्री ने विधायक का आजनीतिक करियर खराब होने जैसी बात क्यों कहीष्उन्होंने इसे पार्टी संविधान का उल्लंघन बताया।

हड्डियों से लेकर दिमाग तक पर असर डालता है विटामिन-डी, भारत में 80% लोगों में इसकी कमी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एचओ) के अनुसार आमतौर पर 30-50 नैनोग्राम/मिलीलीटर का स्तर सामान्य माना जाता है। हालांकि भारत में यह स्तर औसतन नैनोग्राम/मिलीलीटर तक देखा जा रहा है है। अच्छी सेहत चाहते हैं तो आहार पर सबसे ज्यादा ध्यान देना जरूरी हो जाता है, स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को खान-पान में पर्याप्त पोषक तत्वों वाली चीजों को शामिल करने की सलाह देते हैं। अध्ययनों से ये भी पता चलता है कि अगर हम अपने आहार में ही सुधार कर लेते हैं तो इससे कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। क्या आपको आहार से शरीर के लिए जरूरी सभी पोषक तत्व मिल रहे हैं? इस संबंध में आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। भारत में विटामिन-डी की कमी तेजी से बढ़ती जा रही है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में ये समस्या देखा जी रही है। हड्डियों की सेहत के लिए जरूरी इस विटामिन की कमी के चलते कम उम्र में ही लोगों को हड्डियों में दर्द, आर्थराइटिस जैसी समस्याओं का शिकार होना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, भारत जैसे देश जहां हर सीजन में पर्याप्त धूप रहती है वहीं देश में भी करीब 70ञ80% आबादी में विटामिन डी की कमी होना काफी चिंताजनक है। अगर समय रहते इसमें सुधार न किया गया तो आने वाले दशकों में देश के बड़ी आबादी में आर्थराइटिस, इम्युनिटी की कमजोरी सहित कई तरह की बीमारियों का खतरा हो सकता है।

भारतीय आबादी में बढ़ती विटामिन-डी की कमी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार आमतौर पर 30-50 नैनोग्राम/मिलीलीटर विटामिन-डी का स्तर सामान्य माना जाता है। हालांकि भारत में यह स्तर औसतन नैनोग्राम/मिलीलीटर तक देखा जा रहा है है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शहरी जीवनशैली, घरों और ऑफिस में ज्यादा समय बिताना, सनस्क्रीन का अत्यधिक प्रयोग और पोषण की कमी इसका प्रमुख कारण हैं। ज्यादातर लोगों का पूरे दिन ऑफिस में रहने के कारण सूर्य की रोशनी से संपर्क नहीं हो पाता है जो इस विटामिन का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रोजाना हल्की धूप लेना, प्रोटीन युक्त आहार के साथ विटामिन-डी वाली चीजों को आहार में शामिल करना सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है।

विटामिन-डी की कमी से हड्डियों की समस्या

विटामिन डी, शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस के संतुलन को बनाए रखने के लिए जरूरी है, जिससे हड्डियां मजबूत रहती हैं। इसके अलावा ये इम्यून सिस्टम ठीक रखने और दिमाग-मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। ऐसे में इस पोषक तत्व की कमी का संपूर्ण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। विटामिन-डी का मुख्य काम है कैल्शियम को शरीर में अवशोषित करने में मदद करना। इसकी कमी से शरीर में कैल्शियम का सही से उपयोग नहीं हो पाता जिससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूटऑफ न्यूट्रिशन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 50% से ज्यादा महिलाएं और बुजुर्गों में ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डियों के कमजोर की समस्या देखी जाती है, जिसका मुख्य कारण विटामिन-डी की कमी हो सकती है।

मानसिक स्वास्थ्य की भी बढ़ सकती है दिक्कतें

विटामिन-डी सिर्फ हड्डियों के लिए ही नहीं, दिमाग के लिए भी जरूरी है। यह मूड को अच्छा रखने वाले हार्मोन सेरोटोनिन को बढ़ाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिपोर्ट के अनुसार, जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है उनमें डिप्रेशन का खतरा 65% तक अधिक हो सकता है। इसके अलावा विटामिन-डी की कमी से मूड स्विंग्स, बेचैनी, नींद की कमी और ध्यान की कमी जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है असर

कोरोना के दिनों में जब लोगों को इम्युनिटी बढ़ाने वाले उपाय करने की सलाह दी जा रही थी तो आहार में विटामिन-सी और डी दोनों को शामिल करने पर जोर दिया जा रहा था। विटामिन-डी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसकी कमी से शरीर वायरस और बैक्टीरिया के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। आईसीएमआर ने एक रिपोर्ट में बताया कि जिन लोगों में विटामिन डी की कमी होती है उनमें बार-बार सर्दी, फ्लू, या श्वसन संक्रमण का खतरा हो सकता है।

चेहरे पर विटामिन सी कैप्सूल का इस्तेमाल करते हैं तो ये खबर अवश्य पढ़ें, वरना होगी परेशानी

अगर आप चेहरे पर विटामिन सी का इस्तेमाल करते हैं, तो ये लेख आपके बेहद काम का है। इसे अंत तक अवश्य ही पढ़ें। विटामिन सी स्किन केयर की दुनिया में एक बेहद लोकप्रिय और असरदार इंग्रेडिएंट माना जाता है। यही वजह है कि जब बात चेहरे की चमक, दाग-धब्बों को हल्का करने और एंटी-एजिंग की हो, तो लोग बाजार में मिलने वाले विटामिन सी सीरम या कैप्सूल का इस्तेमाल करने लगते हैं। कई लोग विटामिन सी कैप्सूल को

फोड़कर सीधे चेहरे पर लगा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करना हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता? त्वचा की संवेदनशीलता, सही मात्रा और तरीका न अपनाने पर इसके साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। अगर आप भी चेहरे पर विटामिन सी कैप्सूल लगाने की सोच रहे हैं या पहले से इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इस खबर को जरूर पढ़ें। हम बताएंगे आपको इसका सही तरीका, फायदे और जरूरी सावधानियां, ताकि आपकी त्वचा को नुकसान नहीं, बल्कि केवल फायदा पहुंचे।

करें सही कैप्सूल का चयन

विटामिन का कैप्सूल अगर चेहरे पर इस्तेमाल करना है तो हमेशा इसे खरीदते समय ध्यान रखें कि स्किन के लिए एस्कॉर्बिक एसिड वाले विटामिन सी कैप्सूल का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर स्किन यूज के लिए ही होता है। हर तरह के विटामिन सी वाले कैप्सूल को चेहरे पर नहीं लगाया जा सकता। इसे लगाने का सही तरीका आपको पता होना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले तो एक कैप्सूल को काटकर उसमें से से लिक्विड निकालें और उसे हल्के हाथों से क्लीन चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर लगाने से पहले चेहरे को अवश्य साफ करें।

कब करें अप्लाई ?

विटामिन सी का कैप्सूल इस्तेमाल करने का सही समय भी आपको पता होना चाहिए। इसके लिए ये समझ लें कि रात से समय स्किन खुद को हील करती है इसलिए विटामिन सी का कैप्सूल भी सोने से पहले रात में लगाना बेहतर रहता है।

कब फायदा दिखता है

इसका इस्तेमाल करने के बाद आपका चेहरा तुंरत नहीं खिलता है। इसके नियमित उपयोग से 2-3 हफ्तों में दाग-धब्बे हल्के पड़ सकते हैं और स्किन ग्लो करने लगती है।

धनतेरस से लेकर भाई दूज तक के लिए 5 आउटफिट

हर दिन दिखाएं अलग अंदाज

अगर इस दिवाली आप अपना अलग अंदाज दिखाना चाहती हैं तो पांचों दिन अलग-अलग तरह के कपड़े पहनें। दिवाली का त्योहार खुशियों के साथ मनाया जाता है। इस मौके पर हर घर में दीप जलते हैं, मिठाइयां बांटी जाती हैं। इसके साथ-साथ त्योहार की रौनक बढ़ाने के लिए लोग खास तैयारी करते हैं और नये-नये कपड़े पहनते हैं। इस दिवाली अगर आप भी अपना अलग और स्टाइलिश अंदाज दिखाना चाहती हैं, तो सिर्फ एक ही दिन का आउटफिट नहीं, बल्कि पांचों दिवाली के दिन के लिए अलग-अलग कपड़े पहनना एक बेहतरीन आइडिया हो सकता है। इससे न सिर्फ आपका लुक फ्रेश और आकर्षक रहेगा, बल्कि आपको हर दिन नए फैशन ट्रेंड्स आजमाने का मौका भी मिलेगा। इस लेख में हम आपके लिए पांच दिन के लिए खास और ट्रेंडी आउटफिट्स के सुझाव लेकर आए हैं, जिन्हें पहनकर आप त्योहार में चार चांद लगा सकती हैं। तैयार हो जाइए इस दिवाली अपने स्टाइल को नया मुकाम देने के लिए।

धनतेरस

दीपोत्सव के पांच दिनों का सबसे पहला दिन होता है धनतेरस का, तो इस दिन आप सिंपल सा पैंट और कुर्ता पहन सकती हैं। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है। इसलिए आप चाहें तो पूजा के समय सिंपल सा कुर्ता और पैंट कैरी कर सकती हैं। ये काफी कंफर्टेबल रहता है। इसे पहनकर आपको किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होगी।

नरक चतुर्दशी

दीपोत्सव का दूसरा दिन नरक चतुर्दशी का होता है। इस दिन वैसे करने को ज्यादा कुछ खास होता नहीं है, इसलिए आप चाहें तो इस दिन जींस के साथ कुर्ती कैरी कर सकती हैं। वाइड लेग वाली जींस के साथ फिटेड कुर्ती आपके लुक में चार चांद लगा देगी। ये देखने में काफी कमाल का लगेगा।

दिवाली

इन पांच दिनों का तीसरा दिन सबसे खास होता है। इस दिन ही दीपावली की पूजा होती है। इसलिए इस दिन का आउटफिट सबसे खास ही होना चाहिए। इस दिन आप चाहें तो खूबसूरत सा लहंगा कैरी कर सकती हैं। ये लहंगा ज्यादा भारी नहीं होना चाहिए। ज्यादा भारी लहंगा पहनकर आपको पूजा में बैठने में दिक्कत हो सकती है।

गोवर्धन पूजा

इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और गोर्वधन महाराज की पूजा होती है। इसलिए इस दिन की पूजा में पीले रंग की साड़ी पहनकर बैठें। पूजा में साड़ी पहनना सही विकल्प माना जाता है, क्योंकि इससे आप सिर पर पल्लु रख सकती हैं। साड़ी में आपका लुक भी एकदम सादगी भरा दिखेगा।

भाई दूज

अब आखिर दिन है भाई दूज का, जोकि भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक होता है। इसलिए आप इस दिन खूबसूरत का इंडो वेस्टर्न पहन सकती हैं। आजकल तमाम तरह के इंडो वेस्टर्न आउटफिट ट्रेंड में हैं, जो देखने में भी कमाल के लगते हैं।

केमिकल छोड़िए ! किचन में मौजूद चीजों से बनाएं ये फेस पैक, चेहरे पर आएगा नेचुरल ग्लो

अगर आप भी अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के साथ स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे देसी नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल करके आप अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

महिलाएं चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए और चेहरे पर होने वाले दाग-धब्बों को कम करने के लिए कई उपाय करती हैं। कुछ महिलाएं तो मार्केट के महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। तो वहीं कुछ महिलाएं पार्लर जाकर महंगे ट्रीटमेंट लेती हैं। अगर आप भी अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के साथ स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे देसी नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल करके आप अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

मलाई और घी का फेस पैक

चेहरे की डलनेस को कम करने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने की बजाय घर का देसी नुस्खा आजमा सकती हैं। इसके लिए आप घी और मलाई का फेस पैक बना सकती हैं। घी और मलाई दोनों ही चेहरे के लिए फायदेमंद होते हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी।

फेस पैक की सामग्री

घी

मलाई

हल्दी

गुलाब जल

एलोवेरा जेल

ऐसे बनाएं फेस पैक

अगर आप भी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं और ग्लोइंग स्किन पाना चाहती हैं। तो आप मलाई और घी से फेस पैक को तैयार करें। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा जेल लें और उसमें थोड़ा सा घी और मलाई मिक्स करें। फिर इसमें गुलाब जल और हल्दी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को अब रोजाना फेस पर 30 मिनट तक लगाकर रखें। सूखने पर फेस पैक धो लें।

इन बातों का रखें खास ख्याल

इस पेस्ट के इस्तेमाल से आप अपने फेस की परेशानी को कम कर सकती हैं और चेहरे पर होने वाले रैशेज और पिंपल्स से भी छुटकारा पा सकती हैं। अगर आपको किसी तरह की परेशानी होती है, तो पेस्ट का इस्तेमाल करना बंद कर दें और डर्मटालॉजिस्ट की राय जरूर लें।

लंबे सफर के बाद इन बातों का रखें विशेष ध्यान, वरना घेर सकती हैं बिमारियां

त्योहारों का सीजन चल रहा है और बहुत से लोग लंबा सफर तय करके अपने घर जा रहे हैं। सफर करने के शरीर थक जाता है, ऐसे में कुछ सावधानियां बरतना बहुत जरूरी है वरना तबियत खराब होने का जोखिम बढ़ जाता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। दिवाली का त्योहार नजदीक है, और इन

दिनों बड़ी संख्या में लोग अपने घरों तक पहुंचने के लिए ट्रेन, बस या फ्लाइट से लंबा सफर तय कर रहे हैं। घंटों की यह यात्रा अक्सर हमें थका हुआ, सुस्त और कमजोर महसूस कराती है, जिसका सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। यात्रा के दौरान लगातार एक ही मुद्रा में बैठे रहने से मांसपेशियों में अकड़न आती है, शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) हो जाती है और अनियमित खान-पान के कारण हमारा पाचन तंत्र गड़बड़ा जाता है। इससे भी बड़ी समस्या तब होती है, जब लोग घर पहुंचने के बाद आराम करने के बजाय, तुरंत ही सामान्य या त्योहारों वाली दिनचर्या में शामिल हो जाते हैं और कई ऐसी गलतियां करते हैं जो उनकी सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर सकती हैं। यह ऐसा समय होता है जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है और आप संक्रमणों की चपेट में आसानी से आ सकते हैं। इसलिए त्योहारों का भरपूर आनंद लेने से पहले, अपने शरीर को पूरी तरह से रिकवर होने का मौका देना जरूरी है। आइए इस लेख में जानते हैं कि लंबे सफर के बाद सेहतमंद बने रहने के लिए आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

हाइड्रेशन और हल्का आहार

सफर के दौरान पसीना आने और कम पानी पीने से शरीर में डिहाइड्रेशन हो जाता है। घर पहुंचते ही सबसे पहले गुनगुना पानी, नींबू पानी या नारियल पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट करें। साथ ही, तुरंत भारी, तला-भुना या मसालेदार भोजन खाने से बचें। पाचन तंत्र को आराम देने के लिए दाल का पानी, खिचड़ी या सूप जैसा हल्का और सुपाच्य भोजन लें।

तुरंत न करें भारी काम या व्यायाम

लंबी यात्रा के बाद शरीर को आराम की सख्त जरूरत होती है। घर पहुंचते ही भारी सामान उठाना या तुरंत इंटेंस वर्कआउट शुरू करना मांसपेशियों में दर्द और तनाव को बढ़ा सकता है। शरीर को शांत करने के लिए 15-20 मिनट की हल्की स्ट्रेचिंग करें। इससे अकड़न दूर होगी और रक्त संचार बेहतर होगा।

हृदय के लिए टॉनिक का काम करती है ये औषधि, इम्युनिटी और हड्डियां भी होती हैं मजबूत

आयुर्वद के विशेषज्ञ कहते हैं, सदियों से चिकित्सा पद्धति में स्वर्ण भस्म का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

भारतीय चिकित्सा पद्धति में आयुर्वेद का महत्वपूर्ण स्थान है। सदियों से कई प्रकार की बीमारियों के उपचार के लिए आयुर्वेदिक औषधियों को प्रयोग में लाया जाता रहा है। समय के साथ कई जड़ी-बूटियों और औषधियों को आयुर्वेद के साथ-साथ मेडिकल साइंस ने भी प्रमाणिकता दी है। हृदय रोगों से लेकर डायबिटीज, जोड़ों के दर्द को दूर करने से लेकर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत

करने तक के लिए तमाम प्रकार की औषधियों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। कोरोना काल के दौरान इम्युनिटी बढ़ाने के लिए गिलोय, तुलसी जैसी औषधियों का आपने भी जरूर सेवन किया होगा। स्वर्ण भस्म भी एक ऐसी ही कारगर औषधि है जिसे विशेषज्ञों ने सेहत के लिए अमृत बताया है। स्वर्ण भस्म, शुद्ध सोने के भस्म से बना एक आयुर्वेदिक मिश्रण है इसके लाभ पारंपरिक प्रथाओं और उपाख्यानों पर आधारित हैं। आइए जानते हैं कि स्वर्ण भस्म के क्या लाभ हो सकते हैं? आयुर्वेद में स्वर्ण भस्म के कई लाभ का जिक्र आयुर्वेद विशेषज्ञ कहते हैं, सदियों से चिकित्सा पद्धति में स्वर्ण भस्म का कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, हृदय को स्वस्थ रखने के साथ शरीर को ऊजार्वान बनाए रखने के लिए इसके विशेष लाभ हैं। स्वर्ण भस्म शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इसमें मौजूद सूक्ष्म तत्व शरीर की कोशिकाओं को एक्टिव करते हैं जिससे संक्रमण, एलर्जी और वायरल बीमारियों से बचाव होता है। आयुर्वेदिक ग्रंथ चरक संहिता में इसे ओजवर्धक यानी जीवन शक्ति बढ़ाने वाला बताया गया है। अध्ययनों के अनुसार स्वर्ण भस्म में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो फ्री रेडिकल्स से शरीर को बचाते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि स्वर्ण भस्म का सेवन हमेशा आयुवेर्दाचार्य की देखरेख में ही करना चाहिए। गलत मात्रा या अशुद्ध भस्म शरीर को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकती है। हृदय के लिए बहुत लाभकारी स्वर्ण भस्म को हृदय के लिए टॉनिक के रूप में भी जाना जाता है, इसका उपयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा में हृदय संबंधी तमाम विकारों को ठीक करने के लिए किया जाता रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि रक्त संचार को बढ़ाने और धमनियों में जमा फैट को कम करने में इससे विशेष लाभ पाया जा सकता है। आयुर्वेद में इसे ह्रहृदय बल्यह्व यानी हृदय को बल देने वाली औषधि बताया गया है। चूंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इसलिए ये हृदय की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में सहायक है।

लड़ना है प्रधानी तो करो तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की घोषणा कभी भी हो सकती है। बैलेट पेपर की छपाई पूरी हो चुकी है। बैलेट पेपर सभी जिलों में पहुंचा दिए गए हैं। मीडिया से मुखातिब पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सुलतानपुर में कहा कि 28 फरवरी को पंचायत चुनावों के लिए फाइनल वोटर लिस्ट आ जाएगी। उत्तर प्रदेश में पंचायतों का कार्यकाल जल्द ही पूरा होने वाला हैए इससे पहले प्रदेश सरकार पर गांव की सरकार चुन लेने का दबाव हैए चूंकि अभी तक सरकार की ओर से कोई अपडेट नजर नहीं आ रहाए ऐसे में लोगों में कंफ्यूजन की स्थिति है। गांवों में सियासी हलचल तेज है। भावी उम्मीदवार गांव में अपनी जमीन तैयार करने में पूरी ताकत झोंक चुके हैंए पानी की तरह पैसा भी बहाया जा रहा है लेकिन कोई यह बता नहीं पा रहा है कि चुनाव कब होंगिए टाइम पर हो भी पाएंगे या नहींघ्सवालों पर विराम लगाने के लिए पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने साफ कहा कि पंचायत चुनाव समय पर होंगे। सरकार तैयार है। उन्होंने चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे लोगों को भी कमर कस लेने की अपील की है। सभी 75 जिलों में बैलेट पेपर पहुंचा दिए गए हैं।चुनाव में संभावित अड़चनों को भी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया, गुलबदिन पर भारी पड़े सीफर्ट

चेन्नई। उन्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ की है। न्यूजीलैंड ने ग्रुप डी के मुकाबले में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को ग्रुप डी के मुकाबले में पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड ने इस तरह टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ की है। अफगानिस्तान ने गुलबदिन नईब के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। न्यूजीलैंड के लिए इस मैच के हीरो सीफर्ट रहे। सीफर्ट ने न्यूजीलैंड को संभाला 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरूआत झटकों के साथ हुई। दूसरे ओवर में मुजीब उर रहमान ने लगातार दो विकेट लेकर कीवियों के बैकफुट पर ला दिया। फिन एलन एक और रचिन रवींद्र शून्य पर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद मोर्चा टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स ने संभाला।

दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 74 रनों की साझेदारी हुई। फिलिप्स इस दौरान 25 गेंदों में 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, सीफर्ट ने 42 गेंदों पर 65 रनों की दमदार पारी खेली जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल हैं। न्यूजीलैंड को पांचवां झटका मार्क चापमैन के रूप में लगा जो 17 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए। फिर डेरिल मिचेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने न्यूजीलैंड के लिए जीत की औपचारिकता को पूरा किया। मिचेल 14 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैंटनर ने आठ गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 17 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब उर रहमान को दो विकेट मिले, जबकि अजमातुल्लाह ओमरजई, राशिद खान और मोहम्मद नबी को एक-एक सफलता मिली। अफगानिस्तान ने पावरप्ले में गंवाए दो विकेट के बाद पारी को संभाला। अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने पारी की शुरूआत की। दोनें ने टीम को सधी शुरूआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। हालांकि, पावरप्ले खत्म होने से पहले लॉकी फर्ग्यूसन ने न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। फर्ग्यूसन ने इब्राहिम जादरान को आउट किया जो 12 गेंदों पर एक चौके की मदद से 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद फर्ग्यूसन ने इस ओवर की आखिरी गेंद पर गुरबाज को बोल्ड किया। गुरबाज ने 22 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाए। सेदिकुल्लाह-गुलबदिन के बीच साझेदारी पावरप्ले में ही दो विकेट गिरने के बाद सेदिकुल्लाह और गुलबदिन नईब ने शानदार साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी हुई जिससे अफगानिस्तान का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा। गुलबदिन ने 29 गेंदों पर पचासा पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद ही सेदिकुल्लाह अपना विकेट गंवा बैठे। सेदिकुल्लाह 24 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। गुलबदिन ने इसके बाद भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। लेकिन रचिन रवींद्र की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गुलबदिन 35 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 63 रन बनाकर आउट हुए। अफगानिस्तान की पारी अफगानिस्तान के लिए इनके अलावा दारविश रसूली ने 13 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अजमातुल्लाह ओमरजई ने सात गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 14 रन बनाए, जबकि मोहम्मद नबी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट लिए, जबकि मैट हेनरी, जैकब डफी और रचिन रवींद्र को एक-एक सफलता मिली। अफगानिस्तान ने जीता टॉस अफगानिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। अफगानिस्तान ने इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में तीन स्पिनर और इतने ही तेज गेंदबाजों को मौका दिया। न्यूजीलैंड के लिए इस मैच में ईश सोढ़ी, माइकल ब्रेसवेल, डेवॉन कॉनवे और काइल जैमिसन नहीं खेले। दोनों टीमों की प्लेइंग-11ः न्यूजीलैंडः फिन एलेन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चापमैन, डेरिल मिचेल, मिचेल सैंटनर (कप्तान), जेम्स नीशाम, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, जैकब डफी। अफगानिस्तानः रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमातुल्लाह ओमरजई, गुलबदिन नईब, मोहम्मद नबी, राशिद खान (कप्तान), फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान, जियाउर रहमान शरीफी।

रियल मैड्रिड का मैच देखने जाने वाले थे सिराज, टीम में वापसी की बात लगी मजाक

मुंबई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने खुद को मिले मौके का पूरा उठाया। उन्होंने अमेरिका के खिलाफ मैच के बाद बताया कि किस तरह उन्हें भरोसा नहीं हुआ था कि वह टी20 विश्व कप टीम में चुन लिए गए हैं। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए टी20 विश्व कप में टीम में जगह बना पाना किसी सपने से कम नहीं रहा। सिराज को पहले 15 सदस्यीय टीम में भी नहीं चुना गया था, लेकिन हर्षित राणा के चोटिल होने के बाहर होने से उन्हें टीम में जगह मिली। फिर जसप्रीत बुमराह बीमार पड़ गए और अमेरिका के खिलाफ खेलने के लिए उपलब्ध नहीं थे तो सिराज को प्लेइंग-11 में भी शामिल होने का मौका मिला। अब इस तेज गेंदबाज ने बताया है कि जब उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव का फोन आया था तो उनकी प्रतिक्रिया कैसी थी। सिराज ने उठाया मौके का फायदा सिराज ने खुद को मिले इस मौके का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप में टीम के पहले मैच में अहम योगदान दिया। सिराज ने चार ओवर

में 29 रन देकर तीन विकेट झटके। सूर्यकुमार की बल्लेबाजी के बाद सिराज की गेंदबाजी के दम पर भारत यह मुकाबला 29 रनों से अपने नाम करने में सफल रहा। भारत ने इस तरह टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ की। सूर्यकुमार की बात पर नहीं हुआ था भरोसा सिराज ने बताया कि वह स्पेन जाने वाले थे जहां रियल मैड्रिड को रियल सोसिएदाद के खिलाफ खेलना था, लेकिन तभी कप्तान सूर्यकुमार ने उन्हें फोन कर टीम में शामिल होने की जानकारी दी। सिराज ने कहा, सूर्यकुमार भाई ने कहा कि मियां बैग पैक कर और मुंबई आजा। मैंने उनसे कहा कि भाई मजाक मत करो क्योंकि ये तो होने वाला नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा कि मैं सच कह रहा हूं, रेडी हो जा। इसके बाद भारतीय टीम के चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा का मेरे पास फोन आया। किस्मत में जो लिखा है उसे बदला नहीं जा सकता है। स्पेन जाने का था प्लान सिराज हैदराबाद के लिए रणजी ट्रॉफी में खेल रहे थे। यह पूछे जाने पर कि फरवरी में ब्रेक के दौरान उनका क्या प्लान था? इस पर सिराज ने कहा, 15 फरवरी को रियल मैड्रिड का मैच है और मैं इसे देखने के लिए जाने वाला था, लेकिन किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। यहां तक कि टीम के कोचिंग स्टाफ के सदस्य आंद्रियान ली रोउक्स ने मुझे मैसेज करके पूछा कि क्या प्लान है तो मैंने उन्हें कहा कि अभी मैसेज मत करो क्योंकि मुझे दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं और इसके लिए आराम की जरूरत है।

वानखेड़े स्टेडियम की पिच से निराश हुए अक्षर सपाट विकेट नहीं होने पर जताई हैरानी

मुंबई। अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में भारत की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही थी। अब टीम के उपकप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच देखकर हैरान रह गए थे। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान अक्षर पटेल वानखेड़े स्टेडियम की पिच से निराश हुए। भारत और अमेरिका के बीच शनिवार को मुंबई में टी20 विश्व कप का मुकाबला खेला गया था। भारतीय टीम की बल्लेबाजी इस मैच में अच्छी नहीं रही थी और कप्तान सूर्यकुमार यादव को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका था।

अक्षर ने कहा कि वह वानखेड़े की पिच देखकर हैरान थे क्योंकि मुंबई की पिच आमतौर पर सपाट होती है जहां हाई स्कोरिंग मैच देखने मिलते हैं। अक्षर बोले- चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने का भरोसा था मुश्किल पिच पर बल्लेबाजी क्रम के ध्वस्त होने के बावजूद अक्षर ने कहा कि टीम प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने को लेकर आश्वस्त थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 77 रन तक छह विकेट गंवा दिए थे लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की 49 गेंद में 84 रन की नाबाद पारी से मेजबान टीम नौ विकेट पर 161 रन बनाने में सफल रही। भारत ने अमेरिका को आठ विकेट पर 132 रन पर रोककर 29 रन से जीत दर्ज की। अक्षर ने कहा, योजना मैच की स्थिति के अनुसार बनाई जाती है। आम तौर पर मुंबई में विकेट सपाट होता है और हमें यह तय करने में लगभग तीन ओवर लगे कि अच्छा स्कोर क्या होगा। ड्रेसिंग रूम में हमें पता था कि अगर एक भी बल्लेबाज चल गया तो हम 140-150 रन के आसपास पहुंच जाएंगे। विकेट भी (अलग तरह से) व्यवहार कर रहा था। हम हैरान थे क्योंकि हमें लगा था कि यह एक सपाट विकेट है जो आम तौर पर मुंबई में होता है। ड्रेसिंग रूम में बढ़ गई थी चिंता अक्षर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में थोड़ा दबाव महसूस हुआ क्योंकि बल्लेबाजी क्रम ढह गया और वह भी टी20 विश्व कप के पहले म च में। उन्होंने कहा,बेशक आप इसे (दबाव को) महसूस करते हैं। क्रिकेट ऐसा ही है (लेकिन फिर) यह अच्छा है कि यह पहले मैच में हुआ। विकेट की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है और जिस तरह का क्रिकेट हम खेल रहे हैं, हम शॉट को ठीक से नहीं खेल पाए। अगर ऐसा दोबारा होता है तो हमारे पास इसे 160-170 रन तक ले जाने का अनुभव होगा।

अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित वैभव सूर्यवंशी सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई। अंडर-19 विश्व कप के लिए चुनी गई सर्वश्रेष्ठ टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। दिलचस्प बात यह है कि विश्व विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे का नाम इसमें शामिल नहीं है। अंडर-19 विश्व कप खत्म हो चुका है और

रविवार को आईसीसी ने टूनार्मेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित की। इसमें फाइनल मुकाबले में दमदार पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है, जबकि अन्य दो भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं। हालांकि, कप्तान आयुष म्हात्रे सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह नहीं बना सके। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टूनार्मेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए 14 साल के सूर्यवंशी के अलावा टीम के उनके साथी कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली। भारत छठी बार बना विजेता भारत ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता। कनिष्क ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि हेनिल के 11 विकेट में अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट का शानदार स्पैल भी शामिल था। उप विजेता इंग्लैंड के भी तीन खिलाड़ी टीम में जगह बनाने में सफल रहे जिसमें थॉमस रेव को कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। रेव ने 66 की औसत से 330 रन बनाए जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में मैच जिताने वाला शतक भी शामिल है। मैनी लुम्सडेन 16 विकेट के साथ टूनार्मेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे। बेन मायेस को भी टीम में जगह मिली जो स्कॉटलैंड के खिलाफ 191 रन की पारी सहित कुल 444 रन बनाकर टूनार्मेंट के शीर्ष स्कोरर रहे। मायेस अंडर-19 पुरुष विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ एक रन दूर थे जो चार दिन पहले श्रीलंका के विरान चामुदिथा ने बनाया था। विरान को भी टीम में चुना गया है। चामुदिथा ने जापान के खिलाफ 192 रन बनाए और अपनी इस पारी में 26 चौके और एक छक्का लगाया। चयन पैनल में कौन-कौन था शामिल? फैजल खान शिनोजादा और नूरीस्तानी उमरजाई की अफगानिस्तान की जोड़ी को भी टीम में चुना गया जिन्होंने अपने देश को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फैजल ने टूनार्मेंट में आयरलैंड और भारत के खिलाफ लगातार दो शतक लगाए जबकि नूरीस्तानी ने 14 विकेट लिए जिसमें तंजानिया के खिलाफ नौ रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओलिवर पीक ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाए। ओलिवर, पाकिस्तान के अली रजा और वेस्टइंडीज के विटेल लावेस को भी टीम में जगह मिली। रजा ने 13.92 की औसत से 13 विकेट लिए और उनका इकोनॉमी रेट चार रन प्रति ओवर से थोड़ा अधिक था जबकि जमैका के बाएं हाथ के स्पिनर लावेस ने पांच मैच में 10 विकेट लिए। चयन पैनल में इयान बिशप (समन्वयक), लीडिया ग्रीनवे, एंडी फ्लावर और टेलफोर्ड वाइस शामिल थे। आईसीसी अंडर-19 पुरुष विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीमः वैभव सूर्यवंशी (भारत), विरान चामुदिथा (श्रीलंका), फैजल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर, कप्तान) (इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मायेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरीस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

सूर्यकुमार ने इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ा हसरंगा की बराबरी पर पहुंचे अर्शदीप

मुंबई। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबसे ज्यादा बार टी20 में भारत के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अपने नाम करने का रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। सूर्यकुमार ने अमेरिका के खिलाफ दमदार पारी खेली थी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार की दमदार पारी की मदद से ही भारत अमेरिका के सामने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रहा और उनकी पारी ने मैच में अंतर पैदा किया जिससे

भारतीय टीम जीत दर्ज कर सकी। सूर्यकुमार को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। भारत की जीत से शुरूआत भारत ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में अमेरिका को 29 रन से हराकर शानदार आगाज किया है। शनिवार को वानखेड़े में खेले गए ग्रुप मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की नाबाद 84 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में नौ विकेट पर 161 रन बनाए। जवाब में अमेरिका निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। सूर्यकुमार ने हासिल की उपलब्धि सूर्यकुमार ने अमेरिका के खिलाफ अपनी शानदार पारी से कई उपलब्धियां अपने नाम दर्ज की। सूर्यकुमार इसके साथ ही भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार 105 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17 बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीत चुके हैं, जबकि विराट कोहली ने 125 मैचों में 16 बार यह अवॉर्ड जीता है। तीसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं जिन्होंने 14 बार पीओटीएम अवॉर्ड जीता है, जबकि अक्षर पटेल आठ बार यह पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं। युवराज-रोहित से आगे निकले सूर्यकुमार टी20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने के मामले में युवराज सिंह, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन से आगे निकल गए हैं। इस टूनार्मेंट में सूर्यकुमार 19 मैच में से चार बार पीओटीएम अवॉर्ड जीत चुके हैं। युवराज, अश्विन और रोहित ने तीन-तीन बार यह पुरस्कार अपने नाम किया है। कोहली इस मामले में सभी से आगे हैं जिन्होंने 35 मैचों में से आठ बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किया है। टी20 विश्व कप में अर्शदीप के नाम जुड़ी उपलब्धि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम भी उपलब्धि दर्ज हो गई है। अर्शदीप टी20 विश्व कप में 15 मैचों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से दूसरे गेंदबाज हैं। अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं और वह श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा की बराबरी पर पहुंच गए हैं। हसरंगा के नाम भी 29 विकेट थे। इस मामले में दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नॉर्त्जे के नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं। नॉर्त्जे ने इस दौरान 30 विकेट लिए थे।

वानखेड़े में आया यादों का सैलाब भावुक हुए पूर्व विश्वकप विजेता कप्तान रोहित शर्मा

वानखेड़े। रोहित शर्मा की वानखेड़े स्टेडियम में वापसी यादों और भावनाओं से भरी रही, जहां उन्होंने मैदान के उस पार खड़े होकर अपने बदले हुए किरदार को महसूस किया। टी20 विश्व कप 2026 के उद्घाटन पर मिली तालियों और प्यार ने साबित किया कि रोहित सिर्फ पूर्व कप्तान नहीं, बल्कि आज भी करोड़ों दिलों की धड़कन हैं। वानखेड़े स्टेडियम वही मैदान, वही दर्शक, वही जोश लेकिन इस बार रोहित शर्मा मैदान पर कप्तान के तौर पर नहीं, बल्कि टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में लौटे। शनिवार को जैसे ही टी20 विश्व कप 2026 का भव्य आगाज हुआ, सबसे जोरदार तालियां किसी कलाकार या परफॉर्मर के लिए नहीं, बल्कि रोहित शर्मा के लिए गूंजीं। जिस मैदान पर उन्होंने 2024 में भारत की विश्व कप जीत का जश्न मनाया था। वानखेड़े में मौजूद रहे भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, अंबानी दंपती और जय शाह से की मुलाकात अतीत की यादें ताजा हुईं वानखेड़े में लौटकर रोहित भावुक हो उठे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को रोहित शर्मा का एक भावुक कर देने वाला वीडियो साझा किया। इसमें पूर्व भारतीय कप्तान को सूर्यकुमार एंड टीम से कहते सुना गया, 'अजीब लग रहा है इधर... वहां से इधर आना बहुत अजीब लग रहा है।' उनकी आवाज में स्मृतियों का सैलाब था, आंखों में बीते पलों की झलक थी। जैसे ही रोहित मैदान पर आए, पूरा स्टेडियम स्टैंडिंग ओवेशन में बदल गया। चारों ओर से गूंजते नारे, 'मुंबई च राजा... मुंबई च राजा!' ने देश-दुनिया में बैठे हर प्रशंसक को भावुक कर दिया। 'इस पल को जीना सीखना होगा' रोहित ने मुस्कुराते हुए कहा, 'यहां आना हमेशा खास होता है। मुंबई को क्रिकेट से जो प्यार है, वो कहीं और नहीं मिलता। यहां की ऊर्जा कभी निराश नहीं करती।' इस दौरान हिटमैन ने अपने दिल की बात बेहद सादगी से कही। उन्होंने कहा, 'इतनी भागदौड़ में हम कभी-कभी ये भूल जाते हैं कि इस पल को भी जीना है। ये लम्हे दोबारा नहीं आते। भारत में खेलना कभी आसान नहीं होता।' उन्होंने स्वीकार किया कि अब मैदान के इस तरफ खड़े होना उन्हें अब भी अजीब लगता है। रोहित बोले, 'यह बहुत भावुक एहसास है, क्योंकि अभी तक इस बात की आदत नहीं पड़ी है कि मैं इस तरफ हूं, उस तरफ नहीं।' राष्ट्रीय गान के दौरान खड़े होने का अनुभव भी उनके लिए अलग था। रोहित ने कहा, 'वह पल बहुत खास था, लेकिन बिल्कुल अलग भी।' खिलाड़ियों से मुलाकात, गले मिले रोहित रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम से मुलाकात की, खिलाड़ियों से बातचीत की और सभी का हौसला बढ़ाया। इस दौरान वह रैपर बादशाह से गले मिलते भी दिखे, वहीं हार्दिक पांड्या भी वीडियो में नजर आए। रंग, रोशनी और यादें उद्घाटन समारोह में पहले बादशाह का शानदार परफॉर्मेंस हुआ, फिर नोरा फतेही के डांस ने प्रशंसकों में जोश भर दिया। एलईडी लाइट्स और आतिशबाजी से वानखेड़े बैंगनी और सुनहरे रंगों में नहा उठा...जैसे यादों और जज्बातों का जश्न मनाया जा रहा है।

अंडर-19 विश्वकप विजेता भारतीय टीम की वतन वापसी मुंबई एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

मुंबई। अंडर-19 विश्व कप 2026 की विजेता भारतीय टीम की रविवार को वतन वापसी हो गई। मुंबई एयरपोर्ट पर आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय अंडर-19 टीम का भव्य स्वागत हुआ। अंडर-19 विश्व कप 2026 की विजेता भारतीय टीम की रविवार को वतन वापसी हो गई। मुंबई एयरपोर्ट पर आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय अंडर-19 टीम का भव्य स्वागत हुआ। बता दें कि, भारत ने शुक्रवार (6 फरवरी) को इंग्लैंड के खिलाफ 100 रन से जीत दर्ज करते हुए छठी बार अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता था। फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से रौंदा भारत ने इंग्लैंड को फाइनल में 100 रनों से हराया। भारत ने इंग्लैंड के सामने 412 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 311 रन रन पर सिमट गई। टीम इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी फाइनल के सुपरस्टार रहे। उन्होंने 80 गेंद में 175 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, इंग्लैंड की ओर से कैलब फाल्कनर ने शतक जड़ा, लेकिन टीम को नहीं जिता पाए। फाल्कनर ने 67 गेंद पर 115 रन की पारी खेली। सर्वाधिक बार खिताबी मुकाबले खेलने का है रिकॉर्ड इसमें कोई शक नहीं है कि भारत का अंडर-19 विश्व कप में हमेशा ही दबदबा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि भारत अंडर-19 विश्व कप के 16 सत्र में से 10 बार खिताबी मुकाबले में पहुंच चुका है जो सर्वाधिक है। भारत ने लगातार छठी बार खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था। टीम ने 2016, 2018, 2020, 2022, 2024 और 2026 में खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। यह आंकड़ा ये बताने के लिए अपने आप में काफी है कि भारतीय टीम का अंडर-19 में कोई सानी नहीं है। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया टीम भी भारत से काफी पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने छह बार अंडर-19 टीम के फाइनल में जगह बनाई है और चार बार खिताब जीता है।

कोनेश्वर महादेव मंदिर को मिलेगा नया वैभव

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के चौक स्थित प्राचीन कोनेश्वर महादेव मंदिर अब अपने वैभव के नए शिखर की ओर अग्रसर है। मंदिर के कोने में विराजमान शिवलिंग की विशिष्ट पहचान और सदियों पुरानी मान्यताओं को केंद्र में रखते यूपी पर्यटन विभाग पौराणिक धरोहर के पर्यटन विकास को गति दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों पर एक करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्रामायण काल और भगवान राम के भाई लक्ष्मण से जुड़ी मान्यताएं मंदिर को विशेष बनाती है। गोमती नदी के तट पर स्थित यह कौण्डिन्य ऋषि का आश्रम थाए जिनका उल्लेख प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। मंदिर परिसर में आगंतुकों की सुविधा हेतु आधुनिक प्रकाश व्यवस्थाए स्वच्छ शौचालयए पेयजल सुविधा तथा श्रद्धालुओं के लिए विश्राम स्थल निर्माण कार्य होंगे।

धनुष के साथ अफेयर की चचाओं के बीच इस एक्टर ने मृणाल पर बरसाए फूल

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

मृणाल ठाकुर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडयो में एक एक्टर उनपर फूल बरसाते हुए नजर आ रहे हैं। जानिए क्या है पूरा मामला। वैलेंटाइन वीक चल रहा है और शनिवार को ह्यरोज डेह्व था। इस दिन लवर्स अपने पार्टनर को फूल गिफ्ट करते हैं। ऐसे में रोज डे के दिन मृणाल ठाकुर पर उनके को-एक्टर ने एक नहीं, बल्कि दो बार फूलों की बारिश करवाई। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मृणाल पर हुई फूलों की बारिश दरअसल, मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म दो दीवाने सहर में के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में दिखाई देंगे। मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी मूवी के प्रमोशन के लिए मुंबई में एक इवेंट में पहुंचे थे। इस बीच सिद्धांत ने एक नहीं, दो बार मृणाल पर फूलों की बारिश की। एक बार तब, जब वे इवेंट के दौरान फैंस से बातचीत कर रहीं थीं और दूसरी बार स्टेज पर। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैंस इस वीडियो पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। मृणाल और धनुष के बीच अफेयर की है चर्चा इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चचाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा था। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा था कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। हालांकि, मृणाल ठाकुर इन खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। उन्होंने इन खबरों को सिर्फ अफवाह का नाम दिया है। परफॉर्म करने के बाद नोरा फतेही ने मनाया जन्मदिन, वीडियो शेयर कर लिखा 'जय हिंद' मृणाल ठाकुर का वर्कफ्रंट मृणाल ठाकुर की अपकमिंग फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अलावा मृणाल की फिल्म 'डकैत' पाइपलाइन में है। इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

सिल्वर एक्सेसरीज और बॉडीकॉन ड्रेस में दीपिका का ग्लैमरस अवतार, कैमरे के सामने दिए मदमस्त पोज

बॉलीवुड की स्टाइल आइकन और ग्लैमरस एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण एक बार फिर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। दीपिका अक्सर अपनी खूबसूरत और एलिगेंट तस्वीरों से फैंस का दिल जीत लेती हैं और इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। इन तस्वीरों में दीपिका पादुकोण ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस आउटफिट में उनका लुक बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रहा है। ब्लैक ड्रेस उनके फिगर को खूबसूरती से हाईलाइट कर रही है, जिससे उनका कॉन्फिडेंस और ग्रेस साफ झलक रहा है। अपने इस लुक को और खास बनाने के लिए दीपिका ने सिल्वर एक्सेसरीज कैरी की हैं। ये एक्सेसरीज उनके आउटफिट के साथ परफेक्टली मैच कर रही हैं और पूरे लुक को रॉयल टच दे रही हैं। एक्सेसरीज के साथ उनका स्टाइल और भी अट्रैक्टिव लग रहा है। वहीं, अपने मेकअप को दीपिका ने मिनिमल रखा है, जिससे उनका नैचुरल ब्यूटी चार्म उभरकर सामने आ रहा है। स्लीक बन हेयरस्टाइल ने उनके पूरे लुक को क्लासी और एलिगेंट बना दिया है। सादगी और स्टाइल का यह कॉम्बिनेशन फैंस को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों में दीपिका ने अलग-अलग अंदाज में पोज दे रही हैं। हर फोटो में उनका कॉन्फिडेंस और स्टार पावर अलग ही दिखाई दे रही है। उनके हर एक्सप्रेशन और पोज पर फैंस फिदा हो गए हैं। जैसे ही दीपिका पादुकोण का यह पोस्ट सामने आया, सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। यूजर्स लगातार कमेंट्स कर उनकी तारीफ कर रहे

रिलीज के 16वें दिन बॉर्डर 2 ने की जबरदस्त कमाई, की 300 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के सुपरस्टार सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 23 जनवरी को पर्दे पर रिलीज हुई थी। देशभक्ति पर आधारित इस फिल्म को लेकर दर्शक के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। वहीं, बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म अच्छी-खासी कमाई करती नजर आ रही है। वहीं, रिलीज के 16 दिनों में बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में 300 करोड़ रुपए से अधिक

की कमाई कर ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में पहले सप्ताह में 224.25 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भारतीय बाजार में 70.15 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म ने 15वें दिन 2.85 करोड़ की कमाई की। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने 16वें दिन भारत में 4.25 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है । इसके साथ ही देश में बॉर्डर 2 की कमाई का आंकड़ा 301. 50 करोड़ रुपए हो गया है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे सितारे नजर आए हैं। फिल्म को जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

परफॉर्म करने के बाद नोरा फतेही ने मनाया जन्मदिन, वीडियो शेयर कर लिखा 'जय हिंद'

नोरा फतेही ने पहले परफॉर्म किया है। इसके बाद उन्होंने अपना जन्मदिन मनाया है। इसका वीडियो उन्होंने शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही ने कल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। इसके बाद उन्होंने अपने करीबी लोगों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर इसका वीडियो शेयर किया है और एक पोस्ट लिखी है। आइए जानते हैं

उन्होंने पोस्ट में क्या लिखा है? नोरा ने मनाया जन्मदिन नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने 'एक तो कम जिंदगानी', 'गर्मी', 'स्नेक' और 'वन्दे मातरम्' गाने पर शानदार परफॉर्म किया है। उन्होंने सबसे आखिर में एक वीडियो शेयर किया जिसमें देखा जा सकता है कि वह परफॉर्म करके वापस आईं। उनके साथियों और करीबियों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लोगों का शुक्रिया अदा किया, केक पर लगी मोमबत्ती बुझाई और कई लोगों को हग किया।

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक, बोलीं- हम मशीन नहीं हैं

हाल ही में अदिति राव हैदरी साइलेंट फिल्म ह्यगांधी टॉक्सह्व में नजर आईं। अपने करियर और फिल्म इंडस्ट्री को लेकर उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत की। इस बातचीत में इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस पर अपना नजरिया

साझा किया है। अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है। कलाकार को काम के घंटे तय करने का हक होना चाहिए अमर उजाला से हुई बातचीत में अदिति राव हैदरी कहती हैं, ह्यमुझे लगता है कि यह हर व्यक्ति की अपनी पसंद है। अगर कोई कलाकार तय घंटे तक काम करना चाहता है, तो यह उसका पूरा हक है। अगर कोई अलग तरह से काम करना चाहता है, तो वह भी उसकी अपनी पसंद है। एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है वह आगे कहती हैं, ह्यफिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है। अदिति राव हैदरी आगे कौन सी फिल्म कर रही हैं? अदिति राव हैदरी हाल ही में फिल्म गांधी टॉक्स में नजर आईं। जल्द ही वह पंकज त्रिपाठी के साथ फिल्म पारिवारिक मनोरंजन में नजर आएंगी।

सुशांत की मौत के 6 साल बाद रिया ने प्यार के लिए खोले दिल के दरवाजे

कहा, मुझे प्यार पर भरोसा है

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद उनकी कथित गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बुरी तरह विवादों में घिर गई थीं। लंबी कानूनी उलझनों के बाद अब रिया वापिस अपनी पटरी पर लौट आई हैं और जल्द ही वो एक्टिंग में कमबैक करने जा रही है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक्टिंग में अपनी वापसी और प्यार को लेकर खुलकर बात की। हाल ही में एक इंटरव्यू में रिया चक्रवर्ती ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के छह साल बाद नए सिरे से अपनी जिंदगी और करियर को शुरू करने पर राय रखी। उन्होंने कहा कि लगभग सात साल से उन्हें काम नहीं मिला है। उन्हें लगने लगा था कि अब एक्टिंग के सपने को छोड़ देना चाहिए। हालांकि, ये उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। रिया ने कहा कि वो तो हमेशा से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखा करती थीं, लेकिन उस सपने को अपनी आंखों के सामने टूटते देखना बिल्कुल भी आसान नहीं था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें एक्टिंग को भूलने के लिए थेरेपी का सहारा तक लेना पड़ा था। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि जब हंसल मेहता ने अपने अपकमिंग सीरीज का ऑफर दिया तो पहले उन्होंने रिजेक्ट कर दिया था। रिया ने कहा, हंसल सर और राइटर ने मुझसे पूछा कि मुझे क्या रोक रहा है। मैंने उन्हें बताया कि मैंने एक्टिंग छोड़ दी है, तो उन्होंने कहा कि इस वजह से मुझे ये करना चाहिए, फर्क नहीं पड़ता कि मैं अच्छा करूं या नहीं। अब मुझे खुशी है कि मैंने हां कहा, सेट पर आना अलग अनुभव था, पिछले 7 सालों में बहुत कुछ बदल गया है। ये बिल्कुल साइकिल चलाने जैसा है, जिसे आप कभी नहीं भूलते। आगे रिया ने प्यार को लेकर बात करते हुए कहा कि प्यार के लिए उन्होंने अपने दिल का दरवाजा खुला रखा है। आज भी वो मानती हैं कि प्यार बहुत ही खूबसूरत चीज है और वो अपनी लाइफ में दोबारा प्यार को मौका देने के लिए राजी हैं क्योंकि उन्हें प्यार में भरोसा है। बता दें, साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की जिंदगी में गहरा तूफान आया। कानूनी जांच, मीडिया ट्रायल और सार्वजनिक आलोचनाओं ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। ड्रग्स से जुड़े एक मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उन्होंने करीब 28 दिन भायखला जेल में बिताए। बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह बाहर आईं। लंबे समय तक चली जांच के बाद आखिरकार उन्हें मार्च 2025 में क्लीन चिट दे दी गई। हालांकि, इन पांच सालों के बीच रिया की पूरी तरह बदल गई। वहीं, अब पांच सालों तक जिंदगी में चली उठा-पटक के बाद रिया और मजबूत होकर सामने आई हैं। एक्ट्रेस एक बार फिर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं।

बदल गई अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला की रिलीज डेट, अब इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, फैंस भी उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अक्षय कुमार ने अपने एक्स अकाउंट पर एक छोटा सा टीजर शेयर किया है जिसमें एक काली बिल्ली दिखाई दे रही है। टेबल पर एक कैलेंडर रखा हुआ है, जो मई के पन्ने पर खुला है। बिल्ली 15 मई को खरोंचती है, कैलेंडर जमीन पर गिर जाता है और अप्रैल के पन्ने पर दूध फैल जाता है। बिल्ली 10 तारीख को चाटती है, जो फिल्म की नई रिलीज डेट का इशारा है। बता दें, भूत बंगला की रिलीज बदल गई है। पहले यह फिल्म 15 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को इसके लिए कम इंतजार करना पड़ेगा। अब यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होने जा रही है। बता दें, फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन फिर से एक साथ आए हैं। भूत बंगला से पहले अक्षय और प्रियदर्शन हेराफेरी, गरम मसाला, भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन और खट्टा मीठा में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म में दिवंगत एक्टर असरानी भी नजर आएंगे।

मंत्र भारत ग्वालियर -सोमवार,09 फरवरी 2026

बीबीडी थाने पर धरने पर बैठीं सपा पार्षद,बोलीं विधायक बेदी राम के खिलाफ हो एफआईआर

लखनऊ,(संवाददाता)। सपा पार्षद ममता रावत अपने समर्थकों के साथ बीबीडी थाने पर धरना शुरू कर दिया है। वह सुभासपा विधायक बेदी राम पर मुकदमा नहीं दर्ज होने को लेकर आक्रोशित हैं। उन्होंने साफ कह दिया है कि जब तक विधायक के खिलाफ मुकदमा नहीं दर्ज हो जाएगा, थाने से नहीं हटेंगी। उनके समर्थकों में भी भारी आक्रोश है। वे विधायक बेदी राम मुदाबांद के नारे लगा रहे हैं। समर्थकों का कहना है टेंट मंगवाकर धरना देंगे। इससे थाने पर गहमागहमी की स्थिति बनी हुई है। वहीं, नगर निगम की ओर से भी आज विधायक बेदी राम के खिलाफ शिकायत दी जा सकती है। सपा पार्षद ममता रावत ने 7, फरवरी, शनिवार को विधायक बेदी राम के खिलाफ बीबीडी थाने में शिकायत दी थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने मामले में मुकदमा नहीं दर्ज किया है। इस पर आज, 8 फरवरी को वह अपने समर्थकों के साथ बीबीडी थाने आईं हैं। पार्षद ममता रावत का कहना है कि सुभासपा विधायक बेदीराम ने मेरे लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। गालियां दी हैं। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भी इस संबंध में अवगत कराया है। मेयर सुषमा खर्कवाल को भी लिखित में शिकायत दे चुकी हैं। ममता चौधरी ने इस प्रकरण को लेकर काफी आक्रोशि हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा विधायक बेदी राम ने मुझे गालियां दी हैं। मैं इसकी एफआईआर कराउंगी। कार्रवाई नहीं होने पर धरना दूंगी। विधायक का यह अधिकार नहीं है कि एक महिला पार्षद को गालियां दें। गोमतीनगर के भरवारा के गंगोत्री विहार फेज-टू में नाले पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है।

सुरक्षा से लेकर सेमीकंडक्टर तक बड़े समझौते जानिए पीएम मोदी के मलयेशिया दौरे का पूरा सार

कुआलालंपुर। पीएम मोदी की मलयेशिया यात्रा पर विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) पी कुमारन ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के रिश्तों को ह्यबढ़ी हुई रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था। उन्होंने आगे बताया कि 2024 में मलयेशियाई पीएम की भारत यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलयेशिया दौरे पर कुआलालंपुर से विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट), पी. कुमारन ने कहा, 'यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2015 में प्रधानमंत्री की मलयेशिया की पिछली आधिकारिक यात्रा के लगभग एक दशक बाद हो रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'दोनों प्रधानमंत्रियों ने हमारी पार्टनरशिप के पूरे दायरे में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की, जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान शामिल हैं।' भारतीय समुदाय से सीधा संवाद विदेश मंत्रालय के सचिव

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कुआलालंपुर आगमन पर भव्य सांस्कृतिक तरीके से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने साथ मिलकर एमआईएनईएस इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में मलयेशिया में भारतीय समुदाय के इतिहास पर प्रदर्शनी और करीब 800 स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां शामिल रहीं, जिसने साझा सांस्कृतिक विरासत को दशार्या। एक ही स्थान पर इतने कलाकारों द्वारा भारतीय नृत्य प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड मलेशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्र्स में दर्ज होने की भी जानकारी दी गई। समझौते और सहयोग के नए क्षेत्र पी. कुमारन ने आगे कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच संपर्क जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। इस दौरान सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य, सुरक्षा, तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा, आपदा प्रबंधन और ऑडियो-विजुअल सहयोग से जुड़े कई समझौता ज्ञापन और समझौते हुए। भ्रष्टाचार से निपटने के लिए मलयेशिया की एंटी-करप्शन एजेंसी और भारत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के बीच भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। शिक्षा, संस्कृति और प्रवासी भारतीय इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया में थिरुवल्लुवर सेंटर की स्थापना और मलयेशियाई विद्वानों के लिए थिरुवल्लुवर स्कॉलरशिप की घोषणा की। भारतीय समुदाय की सेवाओं को मजबूत करने के लिए मलयेशिया में एक नया वाणिज्य दूतावास खोलने का भी एलान किया गया। करीब 29 लाख भारतीय मूल के लोगों को दोनों देशों के बीच 'जीवंत सेतु' बताया गया। 2025 में 14 लाख भारतीय पर्यटक मलयेशिया गए, जबकि तीन लाख मलयेशियाई पर्यटकों ने भारत की यात्रा की, जिससे मलयेशिया आसियान क्षेत्र से भारत आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्त्रोत बना। रक्षा, सुरक्षा और आतंकवाद से मुकाबला वहीं दोनों प्रधानमंत्रियों ने रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने पर चर्चा की। सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त अभ्यासों के साथ-साथ रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित कई भारतीय कंपनियां मलयेशिया में सक्रिय हैं। आतंकवाद पर प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक कहा कि कोई समझौता नहीं होगा और दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जाएंगे। दोनों देशों के बीच आतंकवाद से मुकाबला पर संयुक्त कार्य समूह और सुरक्षा संवाद लगातार चल रहे हैं। डिजिटल भुगतान और कनेक्टिविटी विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट), पी. कुमारन ने आगे कहा कि क्रॉस-बॉर्डर क्यूआर आधारित भुगतान और यूपीआई लिंक पर काम जारी है। इससे पर्यटकों, कामगारों और व्यापार को सीधा लाभ मिलेगा। हवाई संपर्क बढ़ाने और नए रूट खोलने पर भी सहमति बनी है। प्रधानमंत्री ने आसियान के साथ सहयोग, भारत की एक्ट ईस्ट नीति, इंडो-पैसिफिक विजन और ब्रिक्स में मलयेशिया की भागीदारी का भी जिक्र किया और भविष्य में संबंध और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

कैलिफोर्निया में तेज रफ्तार का कहर, बेकाबू कार ने चार को रौंदा हादसे के बाद ड्राइवर को लेकर बड़ा खुलासा

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया के ट्रकी शहर में एक खूबसूरत पहाड़ी माहौल में शनिवार को डरावना हादसा हुआ। 49 वर्षीय ड्राइवर ने जानबूझकर गोरसरी स्टोर के सामने कार घुसा दिया, जिसमें चार लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल थे।

कैलिफोर्निया के एक खूबसूरत पहाड़ी शहर कार में शनिवार को एक डरावना हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति ने जानबूझकर कार को ट्रकी के सेफवे गोरसरी स्टोर के सामने घुसा दिया और वहां मौजूद पैदल यात्रियों को घायल कर दिया। इस घटना में चार लोग घायल हुए, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने बताया 49 साल का ड्राइवर, जो सैन जोआक्विन वैली के कोलिंग्का का रहने वाला है, जानबूझकर पैदल यात्रियों और स्टोर को टक्कर मार रहा था। पुलिस ने इस बात की भी जानकारी दी इस घटना में किसी को भी गंभीर की चोटें नहीं आई है। वहीं घटनास्थल पर मौजूद 39 वर्षीय स्कॉटी मैथ्यूसन ने बताया कि वो अपनी पत्नी के साथ खरीदारी कर रहे थे, तभी उन्होंने जोर की आवाज और चीख-पुकार सुनी। उनकी पत्नी ने तुरंत 911 को फोन किया।

मैथ्यूसन ने और-क्या-क्या कहा? मैथ्यूसन ने बताया कि उन्होंने भी लोगों की मदद की और देखा कि कोई मलबे के नीचे फंसा तो नहीं। उन्होंने बताया कि स्टोर के सामने एक बच्चे की बेसबॉल टीम का टेबल लगा था, जो पैसे जुटा रही थी। माता-पिता बच्चे को ढूंढने में बहुत परेशान थे। मैथ्यूसन ने कहा कि हम अक्सर टीवी या इंटरनेट पर ऐसी बातें देखते हैं, लेकिन इसे पास से देखना बिल्कुल अलग एहसास है। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने ड्राइवर को डरा कर बाहर निकलने की कोशिश की और कार की दरवाजे खोलने की कोशिश की, लेकिन वाहन बंद था। ड्राइवर शांत बैठा रहा, जब तक पुलिस वहां नहीं पहुंची और उसे पकड़ नहीं लिया। गिरफ्तारी और आरोप बता दें कि ड्राइवर को घातक हथियार से हमला, फेलोनी वेन्डलिज्म और प्रोबेशन उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे नेवाडा सिटी की जेल में रखा गया, जो कार से करीब एक घंटे की दूरी पर है। अभी तक ड्राइवर का कोई सार्वजनिक संपर्क या वकील नहीं है।

अमेरिका ने इसमें शामिल होने के लिए भारत को भेजा न्योता रणनीतिक रिश्ते होंगे और मजबूत

वॉशिंगटन। भारत-अमेरिका के हालिया व्यापार समझौते के बाद अब नई पहल सामने आई है। अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया है। यह पहल सिलिकॉन और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने के लिए शुरू की गई है। इससे दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते और मजबूत होंगे। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के रिश्तों को और बेहतर करने की दिशा में एक और नई पहल सामने आई है। अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया है। इस बात को लेकर जारी बयान में अमेरिका की ओर से बताया कि भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया है और जल्द ही भारत सरकार के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर भी किया जाएगा। अमेरिकी अधिकारी जैकब हेलबर्ग ने बताया कि यह पहल आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस आमंत्रण पर भारत के साथ संबंधों में बहुत सकारात्मक गति देखने को मिल रही है। अब

समझिए क्या है कि पैक्स सिलिका? बता दें कि पैक्स सिलिका दिसंबर 2025 में अमेरिका ने शुरू की थी। इसका मकसद सिक्का (सिलिकॉन) और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों, उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स में एक सुरक्षित और समृद्ध आपूर्ति श्रृंखला बनाना है। इस पहल में ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, जापान, इस्राइल, सिंगापुर, कतर, दक्षिण कोरिया, यूएई और ग्रीस शामिल हैं और अब भारत को भी इसमें शामिल किया जा रहा है। जनवरी में बनी थी इस पर सहमति हेलबर्ग ने बताया कि अमेरिका और भारत ने जनवरी में ही इस पर सहमति बना ली थी। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी खनन और प्रसंस्करण परियोजनाएं हैं, जो आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। हेलबर्ग ने यह भी कहा कि भारत चीन के मुकाबले युवा और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित जनसंख्या के मामले में एकमात्र देश है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते पर भी सहमति बन गई है। इसके तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम या समाप्त करेगा, जबकि अमेरिका भारत के उत्पादों पर शुल्क को 18 प्रतिशत तक घटाएगा। हेलबर्ग ने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका और भारत दोनों बहुत बड़े देश हैं। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और भारत जनसंख्या में सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता देश है। इसलिए सहयोग करना थोड़ा जटिल होता है, लेकिन दोनों देशों में साझेदारी के अवसर बहुत हैं।

अमेरिका को खत्म कर रहा इस्लामी प्रवास रिपब्लिकन सांसद बोले- पाकिस्तान जैसा लगता है डलास

न्यूयॉर्क। अमेरिका में इस्लामी प्रवास को लेकर एक रिपब्लिकन सांसद के बयान से विवाद बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। दरअसल, सांसद ब्रैंडन गिल ने कहा है कि टेक्सासवासियों को मॉल जाकर ऐसा महसूस नहीं करना चाहिए जैसे वे पाकिस्तान में हों। बड़े पैमाने पर इस्लामी प्रवास उस अमेरिका को नष्ट कर रहा है जिसे हम जानते हैं और प्यार करते हैं। अमेरिका के टेक्सास राज्य से रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने डलास और उसके आसपास के इलाकों में 'इस्लामीकरण' को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि कुछ जगहों पर हालात ऐसे हो गए हैं कि वहां जाने के बाद लगता है कि जैसे आप डलास नहीं, पाकिस्तान में है।' ब्रैंडन गिल ने यह बयान एक इंटरव्यू में दिया। उन्होंने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के कई लोग उनसे बार-बार शिकायत कर रहे हैं। रिपब्लिकन सांसद के मुताबिक, उनके इलाके में तेजी से मस्जिदें बन रही हैं, कई मस्जिदें ऐसी जमीनों के पास बन रही हैं, जो पीढ़ियों से स्थानीय अमेरिकी परिवारों की रही हैं, पूरे-पूरे समुदाय 'तेजी से बदल' रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लोग बताते हैं कि जब वे अपने स्थानीय मॉल जाते हैं, तो चारों तरफ देखने पर ऐसा लगता है जैसे वे पाकिस्तान में हों, न कि डलास, टेक्सास में।' सोशल मीडिया पर भी तीखी टिप्पणी ब्रैंडन गिल ने सोशल मीडिया पर भी बयान देते हुए कहा कि 'बड़े पैमाने पर इस्लामी प्रवास उस अमेरिका को खत्म कर रहा है, जिसे हम जानते और प्यार करते हैं।' कौन हैं ब्रैंडन गिल? ब्रैंडन गिल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में टेक्सास के 26वें कांग्रेस जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे 2024 में चुने गए थे। वे अमेरिकी संसद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका, बजट, निगरानी समितियों के सदस्य हैं। वे डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी सब-कमेटी में भी हैं, जहां उनका फोकस सीमा सुरक्षा, सरकारी खर्च में कटौती और आर्थिक मजबूती पर है। बयान पर विवाद बढ़ने के आसार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयान अमेरिका में धार्मिक विविधता, प्रवास और सामाजिक बदलाव को लेकर चल रही बहस को और तेज कर सकते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी और मानवाधिकार संगठनों की ओर से इस बयान पर प्रतिक्रिया आने की संभावना है।

सत्ता में वापसी करती दिख रहीं पीएम ताकाइची एग्जिट पोल में सत्तारूढ़ गठबंधन को बहुमत मिलने के संकेत

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के सत्तारूढ़ गठबंधन को संसद के निचले सदन के चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के संकेत मिल रहे हैं। ताकाइची पिछले साल जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। ताजा सर्वेक्षणों में क्या कहा गया है और ताकाइची की सत्ता में वापसी के क्या मायने होंगे, पढ़िए रिपोर्ट- जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के सत्तारूढ़ गठबंधन को रविवार को हुए अहम संसदीय चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के आसार हैं।सार्वजनिक टेलीविजन एनएचके और अन्य प्रमुख मीडिया संस्थानों ने अपने एग्जिट में पोल में यह अनुमान जताया है। एनएचके के अनुसार, ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन संसद के निचले सदन की 465 सीटों में से दो-तिहाई से अधिक सीटें जीत सकता है। निचला सदन जापान की द्वि-सदनीय संसद का सबसे ताकतवर सदन है। चीन के साथ तनाव और अमेरिका से संबंधों में मजबूती चुनाव से पहले जितनी सीटें ताकाइची की पार्टी को मिलने की उम्मीद थी, अब उससे कहीं ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। इससे ताकाइची को अपने दक्षिणपंथी नीतियों को लागू करने में मदद मिल सकती है, जिसमें जापान की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को मजबूत करना भी शामिल है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब जापान चीन के साथ तनाव बढ़ा हुआ है और वह अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। देश की पहली प्रधानमंत्री बनी थीं ताकाइची ताकाइची को अति रूढ़िवादी नेता माना जाता है। वह अक्तूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। ताकाइची ने 'काम, काम और काम' का संकल्प लिया। उनके काम करने के तरीके को सख्त माना जाता है। वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। सर्वेक्षणों में एलडीपी को भारी जीत मिलने की संभावना ताजा सर्वेक्षणों के अनुसार, निचले सदन में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को भारी जीत मिलने की संभावना है। विपक्षी गठबंधन की क्या स्थिति है? विपक्ष में नया गठबंधन है। यह गठबंधन बहुत मध्य विचारधारा वाला है। हालांकि, यह गठबंधन ताकाइची के लिए कोई बड़ी चुनौती बनता नजर नहीं आ रहा है। बहुमत नहीं मिला तो छोड़ दूंगी पीएम का पदः ताकाइची ताकाइची की पार्टी एलडीपी अपने नए सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी (जेआईपी) के साथ मिलकर निचले सदन में बहुमत पाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा कि अगर उन्हें बहुमत नहीं मिला, तो वह प्रधानमंत्री का पद छोड़ देंगी। सत्तारूढ़ गठबंधन के जीत के क्या मायने होंगे? ताकाइची के गठबंधन की बड़ी जीत का मतलब यह हो सकता है कि जापान की सुरक्षा, आव्रजन और अन्य नीतियों में दक्षिणपंथी रुख मजबूत होगा। जेआईपी के नेता हिरोफुमी योशिमुरा ने कहा कि उनकी पार्टी इस प्रक्रिया को तेज करने में मदद करेगी। हाल ही में जापान में एंटी-ग्लोबलिस्ट और नेशनलिस्ट पार्टी सानसेइटो जैसे दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दलों ने भी ताकत बढ़ाई है।

मिलान में ओलंपिक के खिलाफ भड़का जनआक्रोश शांतिपूर्ण मार्च कैसे बना हिंसक प्रदर्शन

मिलान। 2026 शीतकालीन ओलंपिक की तैयारियों के बीच इटली के मिलान शहर में विरोध की आवाजें तेज हो गई हैं। पर्यावरण, महंगाई और सामाजिक असर को लेकर शुरू हुआ शांतिपूर्ण प्रदर्शन अचानक हिंसा में बदल गया। पुलिस की सख्ती, आंसू गैस और पानी की बौछारों ने हालात को और गंभीर बना दिया। इटली के शहर मिलान में शनिवार देर रात 2026 शीतकालीन ओलंपिक के खिलाफ हुआ एक प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। दिनभर शांतिपूर्ण रहा यह मार्च रात होते-होते प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में बदल गया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और पानी की बौछारों (वॉटर कैनन) का इस्तेमाल करना पड़ा। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार दिन के समय हजारों लोग मिलान की सड़कों पर उतरे थे। ये लोग 2026 में होने वाले विंटर ओलंपिक का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ओलंपिक के लिए हो रहा निर्माण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है और इससे आम लोगों पर आर्थिक और सामाजिक बोझ बढ़ेगा। इस प्रदर्शन का आयोजन अनसस्टेनेबल ओलंपिक्स कमेटी नाम के समूह ने किया था। इसमें मिलान, लोम्बार्डी और उत्तरी इटली के दूसरे इलाकों से लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने इटली सरकार पर लगाए आरोप प्रदर्शन में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, घरों के अधिकार के लिए लड़ने वाले समूह, मजदूर यूनियन, फलस्तीन समर्थक संगठन और ट्रांसफेमिनिस्ट समूह भी शामिल थे। कई प्रदर्शनकारियों ने इटली सरकार पर सख्त सुरक्षा नीतियों और नस्ली अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का आरोप भी लगाया। कैसे उग्र हुआ आंदोलन? बता दें कि शनिवार दोपहर तक प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। लोग हाथों में हाथ डालकर चल रहे थे, गाने गा रहे थे और नाच रहे थे। लेकिन रात के समय माहौल बदल गया। जब मार्च ओलंपिक विलेज के पास पहुंचा, जहां भारी पुलिस बल तैनात था, तभी तनाव बढ़ गया।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने खिलाड़ियों के रहने की जगह की ओर पटाखे और धुएं के बम फेंके, हालांकि ये इमारतों तक नहीं पहुंच पाए। इसके बाद मार्च का एक हिस्सा रास्ता बदलकर विया बेनाको होते हुए पियाजाले कोवेटो पहुंचा। वहां मौजूद एक छोटे समूह ने पुलिस पर पटाखे फेंकने शुरू कर दिए। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया चार्ज इसके जवाब में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर चार्ज किया और फिर पानी की बौछारों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बाद में कुछ लोगों ने पुलिस की गाड़ियों को भी निशाना बनाया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल ज्यादातर लोग हिंसा का हिस्सा नहीं बने और वे चौक के मुख्य हिस्से में शांत खड़े रहे। इटली में हिंसा और इसका असर गौरतलब है कि यह हिंसा ऐसे समय में हुई जब एक दिन पहले ही 2026 शीतकालीन ओलंपिक का आधिकारिक उद्घाटन समारोह मिलान के सैन सिरो स्टेडियम में बड़े स्तर पर हुआ था। इस समारोह में मशहूर इतालवी गायक आंद्रेआ बोचेली और अमेरिकी सिंगर मारिया केरी ने प्रस्तुति दी थी। इसी बीच, एक अलग घटना में उत्तरी इटली के शहर बोलोन्या में रेलवे सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। इटली के परिवहन मंत्री ने कहा कि रेलवे लाइनों पर संभावित जानबूझकर की गई तोड़फोड़ की जांच की जा रही है। उन्होंने इसे पहले से सोची-समझी साजिश बताया और कहा कि अधिकारियों को समन्वित हमले की आशंका है।

रूसी खुफिया एजेंसी के शीर्ष अधिकारी पर हमले का आरोपी दुबई में गिरफ्तार

मॉस्को। मॉस्को में रूसी खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी पर गोलीबारी के मामले में आरोपी को दुबई से गिरफ्तार कर रूस लाया गया। संघीय सुरक्षा सेवा ने यूक्रेन पर हमले का आरोप लगाया। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने दावा किया है कि मॉस्को में रूसी सैन्य खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी पर गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को दुबई से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को रूस को सौंप दिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। एफएसबी के अनुसार, संदिग्ध की पहचान रूसी नागरिक ल्यूबोमिर कोर्बा के रूप में हुई है, जिस पर रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव पर गोली चलाने का आरोप है। यह हमला शुक्रवार को मॉस्को के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर हुआ था। हमले में अलेक्सेयेव को कई गोलियां लगी थीं, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमले में दो और लोगों की भूमिका आई सामने रूसी जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में दो और लोगों की भूमिका सामने आई है एक सहयोगी को मॉस्को से गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा कथित रूप से यूक्रेन भाग गया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस घटना को संभावित आतंकी हमला करार देते हुए आरोप लगाया कि इसका उद्देश्य शांति वार्ता को नुकसान पहुंचाना था। हालांकि, यूक्रेन की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बातचीत के बीच हुआ हमला यह हमला ऐसे समय हुआ है जब रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच अबू धाबी में युद्ध समाप्त करने को लेकर दो दिनों तक बातचीत चली थी। दिलचस्प बात यह है कि इन वाताओं में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व खुफिया एजेंसी प्रमुख एडमिरल इगोर कोस्त्युकोव कर रहे थे, जो अलेक्सेयेव के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

चीन में तिब्बती बच्चों की धार्मिक आजादी पर सख्ती 18 साल से कम उम्र वालों को मठों में प्रवेश पर रोक

बीजिंग। चीन सरकार ने तिब्बती क्षेत्रों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के मठों में प्रवेश पर रोक लगा दी है। इस फैसले को तिब्बती संस्कृति और धार्मिक अधिकारों पर हमला माना जा रहा है। चीन सरकार ने तिब्बती समुदाय के धार्मिक जीवन पर नियंत्रण और कड़ा करते हुए 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के मठों में प्रवेश पर रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस फैसले से तिब्बती संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बच्चों को मठों में जाने की अनुमति नहीं इस प्रतिबंध की जानकारी तब सामने आई जब चीनी मैसेजिंग ऐप वीचैट पर एक वीडियो सामने आया। इसके बाद तिब्बती अधिकारों के उल्लंघन को लेकर चिंता बढ़ गई। तिब्बत और निर्वासित तिब्बतियों से जुड़े समाचार पोर्टल फायुल (ढ्ँ८४') के अनुसार, खाम क्षेत्र के एक मठ के प्रवेश द्वार पर स्पष्ट रूप से लिखा नोटिस लगाया गया है '18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का मठ में प्रवेश वर्जित है।' रिपोर्ट में बताया गया है कि यह पाबंदी ऐसे समय लागू की गई है, जब तिब्बती इलाकों में सर्दियों की छुट्टियों के चलते स्कूल बंद रहते हैं। आमतौर पर इस दौरान बच्चे अपने माता-पिता के साथ मठों में धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते थे, लेकिन अब परिवार के साथ होने पर भी बच्चों को मठों में जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने की कोशिश तिब्बत वॉच से जुड़े शोधकर्ता सोनम तोबग्याल ने इस कदम को तिब्बती सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने की एक सुनियोजित कोशिश बताया है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में चीन ने तिब्बत में कई ऐसी नीतियां लागू की हैं, जिनमें तिब्बती बच्चों के लिए अनिवार्य बोर्डिंग स्कूल, छुट्टियों के दौरान मठों में तिब्बती भाषा सिखाने पर रोक और अब बच्चों के मठों में प्रवेश पर प्रतिबंध शामिल हैं। तोबग्याल के अनुसार, ये सभी कदम बचपन के सबसे महत्वपूर्ण दौर में बच्चों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर करने की दिशा में उठाए गए हैं

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।